Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-253 ● रायपुर, गुरुवार 12 अक्टूबर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
आश्विन कृष्ण पक्ष
पक्ष- त्रयोदशी

सुविचार

हम जो भी कर सकते हैं उसमें अपना बेस्ट करे, तभी सफलता हमारे कदम चूमेगी।
-स्वदेश तिवारी

3 कलेक्टर-एसपी ने ली उड़नदस्ता और स्थैतिक निगरानी टीम की बैठक

5 स्कूली बच्चों को महीनों से चावल के बजाए खिचड़ी खिलाई जा रही, ग्रामीणों ने किया कार्रवाई की मांग

7 निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन संपन्न कराने कलेक्टर-एसपी ने ली अधिकारियों की बैठक

संक्षिप्त समाचार

वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी पर डरावनी रिसर्च: भारत-पाकिस्तान में झुलसेंगे 220 करोड़ लोग

नई दिल्ली। नए शोध में खुलासा हुआ है कि वैश्विक तापमान अगर पूर्व-औद्योगिक स्तर से दो डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है, तो उत्तर भारत और पाकिस्तान में रहने वाले लोगों को लंबे समय तक अधिक गर्मी का अनुभव हो सकता है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज जर्नल में प्रकाशित शोध से संकेत मिलता है कि ऐसे परिदृश्य में उत्तर भारत, पूर्वी पाकिस्तान, पूर्वी चीन और उप-सहारा अफ्रीका को मुख्य रूप से हाई ह्मयूमिडिटी वाली गर्म हवाओं का सामना करना पड़ेगा। उच्च आर्द्रता वाली गर्म हवाएं अधिक खतरनाक हो सकती हैं। यह सीमा मानव शरीर की पसीने को वाष्पित करने की क्षमता को सीमित करती है और कूलर जैसे उपायों की नमी की मात्रा को प्रभावित करती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस क्षेत्र में निम्न-से-मध्यम आय वाले देश हैं, जिसका अर्थ है कि कई प्रभावित व्यक्ति अत्यधिक गर्मी के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए एयर कंडीशनिंग या अन्य प्रभावी उपायों से वंचित रह सकते हैं।

आदित्य ठाकरे ने चुनाव आयोग से पूछा महाराष्ट्र में उपचुनाव क्यों नहीं हो रहा

नागपुर। पूर्व मंत्री और शिवसेना के युवा नेता आदित्य ठाकरे ने चुनाव आयोग से पूछा कि वह महाराष्ट्र में दो लोकसभा सीटों के लिए उपचुनाव क्यों नहीं करा रहा है। आयोग ने सोमवार को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा की। उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा करते समय इन दोनों लोकसभा उपचुनावों को भी एक साथ जोड़ सकता था। चंद्रपुर और पुणे में दो लोकसभा सीटें संसद सदस्यों के निधन के बाद से खाली हैं। कांग्रेस के सुरेश उर्फ बालू धानोरकर (चंद्रपुर) का 30 मई को निधन हो गया, जबकि भाजपा के अनुभवी राजनेता गिरीश बापट (पुणे) का लंबी बीमारी के बाद इस साल 29 मार्च को निधन हो गया।

लद्दाख में हिमस्खलन की चपेट में आई सेना की ट्रेनिंग टीम, एक जवान की मौत, 3 अभी भी लापता

श्रीनगर। लद्दाख के कुन पर्वतीय क्षेत्र में भारतीय सेना की एक प्रशिक्षण टीम के हिम स्खलन में फंस जाने से एक सैनिक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लापता हैं। रक्षा सूत्रों ने कहा कि हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल और सेना की एडवेंचर विंग के लगभग 40 सैन्य कर्मियों की एक टुकड़ी माउंट कुन के पास नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों में लगी हुई थी, जब यह दुर्घटना हुई। इस सीज़न के दौरान इस तरह के अभ्यास मानक अभ्यास हैं, जिसका लक्ष्य 'ट्रेन द ट्रेनर' अवधारणा के हिस्से के रूप में एचएडब्ल्यूएस प्रतिभागियों के लिए यथार्थवादी पर्वतारोहण प्रशिक्षण प्रदान करना है।

गाजा अब पूरी तरह अंधेरे में डूबा, बिजली संयंत्र का ईंधन खत्म

मारा गया अनंतनाग और पठानकोट हमले का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान में आतंकी शाहिद लतीफ की सियालकोट में गोली मारकर हत्या कर दी गई। आतंकी लतीफ सितंबर में हुए अनंतनाग कोकरनाग आतंकी हमले का हैंडलर था। इसमें एक कर्नल, एक मेजर, एक डीएसपी और एक जवान शहीद हो गया था। इसके अलावा लतीफ पठानकोट वायु सेना स्टेशन पर हुए आतंकी हमले का भी मास्टर माइंड था। यह जम्मू के रास्ते आतंकियों को भारत में भेजने का काम करता था। आतंकी लतीफ बुधवार को पंजाब सियालकोट के दसका कस्बे की मेढ़की चौक स्थित नूरमदीना मस्जिद में फज्र की नमाज पढ़ रहा था। नमाज अदा करने के बाद मस्जिद से आतंकी शाहिद लतीफ सुबह करीब साढ़े पांच बजे जैसे ही बाहर आया। मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए तीन हमलावरों ने तबाड़तोड़ गोलियां दाग दी। गोलीबारी इतनी भीषण थी की लतीफ का बॉडीगार्ड आतंकी हासिम भी मौके पर मारा गया और एक व्यक्ति और भी घायल हो गया। आतंकी शाहिद लतीफ जम्मू और कश्मीर में 1993 से आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहा था। इसे 12 नवंबर 1994 में सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उसे कोट बलवल जेल में रखा गया। यहीं पर आईएस 814 कंधार कांड के आरोपी जैश ए मोहम्मद चीफ मसूद अजहर भी बंद था। आतंकी लतीफ 2010 में पाकिस्तान के लिए डिपोर्ट किया गया। कोट बलवल जेल में ही आतंकी लतीफ की मुलाकात जैश के सरगना मसूद अजहर से हो चुकी

थी। वह जैसे भी भारत से पाकिस्तान पहुंचा। मसूद अजहर ने उसे सियालकोट में जैश का लांचिंग कमांडर बना दिया। एक बार फिर से लतीफ भारत के खिलाफ एक के बाद एक साजिश रचने लगा। इसका जन्म सियालकोट में हुआ था। वह गुजरांवाला में रहता था। आतंकियों की घुसपैठ का जिम्मा भी इसके पास था। पाकिस्तान पहुंचते ही लतीफ जैश का कमांडर बन गया। वह भारत के खिलाफ साजिश पर साजिश रचने लगा। आखिरकार 2 जनवरी 2016 को पठानकोट वायुसेना स्टेशन पर उसके हमले की साजिश सफल हुई। इसमें भारतीय वायु सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। लतीफ चार आतंकियों को पाकिस्तान में बैठकर निर्देश दे रहा था। पठानकोट में भी कई दिनों तक सर्च आपरेशन चला था। चार आतंकी मार गिराए गए थे। आतंकी लतीफ अनंतनाग में हुई मुठभेड़ का मुख्य साजिशकर्ता था। कोकरनाग मुठभेड़ में भारतीय सेना का एक कर्नल, एक मेजर, एक जवान और जम्मू कश्मीर पुलिस का एक डीएसपी शहीद हो गए थे। यह आपरेशन छह दिनों तक चला था। इसमें स्थानीय आतंकी सहित एक पाकिस्तानी आतंकी भी शामिल था। इज़रायली सेना के 50 से 100 लोगों को हमास ने बंधक बना रखा है।

जंग के बीच भारत ने बनाया कंट्रोल रूम, इन फोन नंबरों पर 24 घंटे कर सकते हैं संपर्क

नई दिल्ली।इजरायल हमास युद्ध से प्रभावित भारतीय नागरिकों के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक राहत भरी खबर सुनाई है। इजरायल-हमास जंग के बीच विदेश मंत्रालय की ओर से कंट्रोल रूम स्थापित करने का फैसला लिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग के जरिए जानकारी दी कि इस कंट्रोल रूम की स्थापना का मकसद इजरायल में स्थिति पर नजर बनाए रखने और वहां फंसे लोगों को सूचना एवं सहायता प्रदान करना होगा। विदेश मंत्रालय की ओर से बनाए गए इस कंट्रोल रूम में 24 घंटे काम जारी रहेगा विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में मौजूद कंट्रोल रूम से संपर्क करने के लिए कई फोन नंबर भी जारी किए।

हाईकोर्ट 13 अक्तूबर को करेगा सुनवाई

ईडी के समन... को हेमंत सोरेन ने बताया अनुचित

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट को बताया कि ईडी द्वारा धन शोधन के मामले में उन्हें भेजा गया समन अनुचित है। हेमंत सोरेन के वकील पी चिदंबरम ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की पीठ को बताया कि यह साफ नहीं है कि सोरेन को भेजा गया समन बतौर गवाह भेजा गया है या फिर आरोपी। पी चिदंबरम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शिरकत की। अब हाईकोर्ट 13 अक्तूबर को इस मामले में सुनवाई करेगा। बता दें कि ईडी ने हेमंत सोरेन को समन भेजकर 14 अगस्त को रांची स्थित ईडी के कार्यालय में पेश होने

का समन भेजा था। समन में सोरेन को पीएमएलए एक्ट के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा गया था। हालांकि समन के खिलाफ सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी लेकिन सीएम सोरेन को हाईकोर्ट जाने की छूट दे दी थी।

पहले 23 को देवउठनी ग्यारस पर होनी थी वोटिंग

राजस्थान में चुनाव की तारीख बदली....अब 23 की जगह 25 नवंबर को मतदान-चुनाव आयोग

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तारीख बदल गई है। चुनाव आयोग ने कहा है कि राजस्थान में 23 नवंबर की बजाय 25 नवंबर को वोटिंग होगी। हालांकि, मतगणना की तारीख नहीं बदली गई है। 3 दिसंबर को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने राज्य में 23 नवंबर को प्रस्तावित हजारों शादियों और देव उठनी एकादशी की वजह से तारीख में बदलाव किया है। चुनाव आयोग ने कहा कि 23 नवंबर को राज्य में बड़े पैमाने पर शादी के आयोजन हैं। इसके अलावा सामाजिक कार्यक्रम भी हैं। इसे देखते हुए कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने मतदान का तारीख बदलने की अपील की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने वोटिंग की डेट को बदलने का फैसला लिया है। बता दें कि 23 नवंबर को देवोत्थान एकादशी है, जिसे देवउठनी भी कहा जाता है। इस दिन शादी करना अच्छा माना जाता है और लोग बिना किसी मुहूर्त को देखे ही शादी करते हैं। इस बार राजस्थान में देवोत्थान एकादशी के मौके पर 50 हजार से अधिक शादियों का अनुमान है। यही वजह है कि मतदान की तारीख ही बदलने की मांग हो रही थी। भाजपा से पाली के सांसद पीपी चौधरी ने भी चुनाव आयोग को लेटर लिखकर चुनाव की तारीख बदलने की मांग की थी। देव

उठनी एकादशी और शादियों का हवाला देकर उन्होंने भी 23 से दो दिन पहले या बाद में मतदान की मांग की थी। अब चुनाव आयोग ने उठ रही इस मांग को मानते हुए शेड्यूल में बदलाव कर दिया है। हालांकि नतीजे की तारीख वही रहेगी और 3 दिसंबर को ही वोटों की गिनती होगी। इस बार 23 नवंबर 2023 को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु चार माह की लंबी निद्रा से जागते हैं। इसलिए इस एकादशी को देवोत्थान या देवउठनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। आम भाषा में इस देवउठनी ग्यारस और ड्योठान के नाम से जाना जाता है। देवउठनी ग्यारस के साथ ही बड़े पैमाने पर विवाह जैसे शुभ कार्यों और मुहुर्तों की शुरुआत हो जाती है। इस दिन विशेषतौर पर बड़े पैमाने पर शादियां होती है।

गृह मंत्रालय भारतीय न्याय संहिता में मनमाने बदलाव कर रहा

राजद्रोह कानून और उसकी भावना में बदलाव जरूरी: ममता बैनर्जी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

बंगाल सीएम ने कहा कि न सिर्फ राजद्रोह कानून में बल्कि उसकी भावना में भी बदलाव जरूरी है। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ताओं और कानून के जानकारों को इस मसौदे को गंभीरता से लेने को कहा, क्योंकि यह क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बड़ा बदलाव लाएगा। पश्चिम बंगाल की ष्टरू ममता बनर्जी ने कहा कि राजद्रोह कानून के तहत प्रावधानों को बदलने के नाम पर गृह मंत्रालय भारतीय न्याय संहिता में अधिक गंभीर और मनमाने उपाय पेश कर रहा है। ये नागरिकों को और ज्यादा गंभीर रूप से प्रभावित

कर सकते हैं। ममता बनर्जी ने 11 अक्टूबर को ट्विटर पर लिखा- मैं भारतीय दंड संहिता, इंडियन एविडेंस एक्ट और ष्टक्रक्क को रिप्लेस करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के मसौदे को पढ़ रही हूं। यह देखकर स्तब्ध हूं कि इनमें चुपचाप बहुत कठोर और कठोर नागरिक विरोधी प्रावधानों को पेश करने का गंभीर प्रयास किया जा रहा है। पहले राजद्रोह कानून था, उन प्रावधानों को बदलने के नाम पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित भारतीय न्याय संहिता में मनमाने उपाय पेश किए गए हैं। बंगाल सीएम ने कहा कि न सिर्फ राजद्रोह कानून में बल्कि उसकी भावना में भी बदलाव जरूरी है। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ताओं और कानून के जानकारों को इस मसौदे को गंभीरता से लेने को कहा, क्योंकि यह क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बड़ा बदलाव लाएगा। संसद में मेरे सहयोगी स्थायी समिति के सामने यह मुद्दे उठाएंगे।

मध्य प्रदेश में भाजपा की मदद के लिए मैदान में उतरा आरएसएस

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले आए फीडबैक ने भाजपा की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यही कारण है कि अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोगों ने जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ा दी है। संघ के कार्यकर्ता जमीनी फीडबैक तो जुटा ही रहे हैं, साथ में सरकार की योजनाओं से आमजन को अवगत करा रहे हैं। राज्य के विधानसभा चुनाव को लेकर अब तक आए तमाम मीडिया हाउस के सर्वे और जमीनी फीडबैक के बाद से भाजपा चिंतित और वह जमीनी हालात में सुधार लाने की हर संभव कोशिश कर रही है। एक तरफ जहां पार्टी ने बड़े चेहरों को मैदान में उतरकर हालात संभालने की कोशिश की है।

अमरावती रिंग रोड मामले में

चंद्रबाबू को मिली राहत... उच्च न्यायालय ने दी अग्रिम जमानत

अमरावती। एजेंसी

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने अमरावती इनर रिंग रोड मामले में पूर्व ष्टरू और ञ्जष्ठक्क प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू को अग्रिम जमानत दे दी हैं। उनके द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर बहस सुनने वाली अदालत ने अस्थायी जमानत दी और मामले में 16 अक्टूबर तक गिरफ्तारी न करने का अंतरिम आदेश जारी किया। कोर्ट ने सीआईडी को अंगालू 307 मामले में कल तक कोई गिरफ्तारी नहीं करने का भी निर्देश दिया। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सीआईडी विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट द्वारा

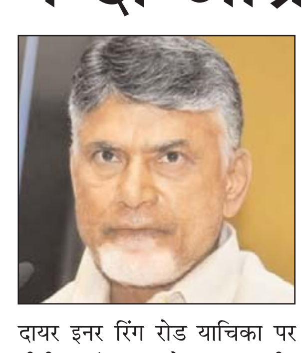

दायर इनर रिंग रोड याचिका पर पीटी वारंट पर रोक लगा दी। आरोप है कि आंध्र प्रदेश की 2014-2019 के बीच रही सरकार में उच्च अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त रहे और इस दौरान अमरावती के मास्टर प्लान की डिजाइनिंग और रिंग रोड और अन्य सड़कों को जोड़ने की योजना में धांधली की गई। टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश को इस मामले में 14वां आरोपी बनाया गया है। सीआईडी का आरोप है कि नारा लोकेश ने अमरावती इनर रिंग रोड के आदेश में बदलाव कर लाभ कमाया और घोटाले में अहम भूमिका निभाई। सीआईडी ने ही टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस पर नारा लोकेश की कानूनी सलाहकार टीम ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की लेकिन अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया।

कांग्रेस को पुराने पर भरोसा!

राजस्थान और मध्यप्रदेश में नया विकल्प तलाश रही भाजपा

नई दिल्ली/ एजेंसी

मध्य प्रदेश में देखें तो कांग्रेस कमलनाथ पर एक बार फिर से दांव लगाने की तैयारी में है। हालांकि, वह इस बार पिछली बार जैसी गलती नहीं करने वाली। इस बार कमलनाथ के साथ-साथ युवा नेताओं को भी महत्व दिया जा रहा है। साथ ही साथ दिग्विजय सिंह पर भी कांग्रेस भरोसा जताती दिखाई दे रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भाजपा सीधी लड़ाई में आमने-सामने हैं, इसलिए दोनों पक्षों के राज्य नेतृत्व को 'बनाओ या बिगाड़ो की लड़ाई' वाली कड़ी लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के लिए, सुर्खियों में मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह और राजस्थान में अशोक गहलोत के पुराने नेता होंगे। वहीं, भाजपा की बात करें तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चार कार्यकाल के बावजूद मध्य प्रदेश में कठिन राह पर चल रहे हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे (राजस्थान) और रमन सिंह (छत्तीसगढ़) को दोनों राज्यों में पार्टी की रैली में तस्वीरे दिख तो जाती हैं पर दोनों ही अपने क्षेत्रों में पहले की तरह प्रभावी भूमिका निभाने से कोसों दूर हैं। मध्य प्रदेश में देखें तो कांग्रेस कमलनाथ पर एक बार फिर से दांव लगाने की तैयारी में है। हालांकि, वह इस बार पिछली बार जैसी गलती नहीं करने वाली। इस बार कमलनाथ के साथ-साथ युवा नेताओं को भी महत्व दिया जा रहा है। साथ ही साथ दिग्विजय सिंह पर भी कांग्रेस भरोसा जताती दिखाई दे रही है। हालांकि,

दिग्विजय सिंह प्रदेश की राजनीति में तो नहीं लौटने वाले। लेकिन इसका फायदा उनके बेटे को मिल सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया की नाराजगी के बाद पार्टी में हुई फूट से कमलनाथ की सरकार गिर गई थी। दिल्ली की राजनीति की ओर रुख करने की बजाय कमलनाथ राज्य में बने रहे और अपने अपमान का बदला लेने की इस बार पूरी कोशिश करने वाले हैं। कांग्रेस के लिए राजस्थान की बात करें तो यहां वह सचिन पायलट की चुनौती से जूझ रही है। सचिन पायलट लगातार अपनी जमीनी पकड़ को मजबूत कर रहे हैं। अशोक गहलोत के साथ अनबन के बाद सचिन पायलट ने अपना काम बिल्कुल भी नहीं छोड़ा। वह राज्य में मजबूती के साथ बने रहे। गहलोत के ऊपर दबाव बनाने के लिए वह अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रूप से चुनौतियां भी पेश करते रहे। दूसरी ओर गहलोत भी अपनी जादूगरी दिखने में पीछे नहीं रहे। राज्य में अपनी भूमिका को बरकरार रखने के लिए उन्होंने लोक लुभावने वायदे किए। साथ ही साथ विधायकों को हमेशा अपने साथ जोड़े रखा। चुनाव को देखते हुए लगातार कई कल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतरने की कोशिश की। गहलोत इस बात को भली-भांति समझते हैं कि अगर सचिन पायलट को आगे किया जाता है तो कहीं ना कहीं उनकी और उनके समर्थकों के लिए यह अच्छा नहीं होगा।

एमपी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सीएम पद के लिए फेवरेट नेता कौन?

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। इन पांच राज्यों में कुल 16 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने वाले हैं। इनमें से तीन राज्य (मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़) के चुनाव महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 23 नवंबर और छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को चुनाव होने हैं। ऐसे में एक ताजा सर्वे सामने आया है जिसमें तीनों राज्यों के लोगों से सीएम पद के लिए उनका फेवरेट नेता पूछा गया है। सर्वे के मुताबिक, राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत की जादूगरी बरकरार है। वहीं मध्य प्रदेश में 'मामा' सबसे आगे हैं। आइए एक-एक कर तीनों राज्यों का हाल जानते हैं... एबीपी न्यूज के लिए सी वोटर ने यह सर्वे किया है। तीनों राज्यों के लोगों से पूछा गया कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें कौन सा नेता सबसे ज्यादा पसंद है।

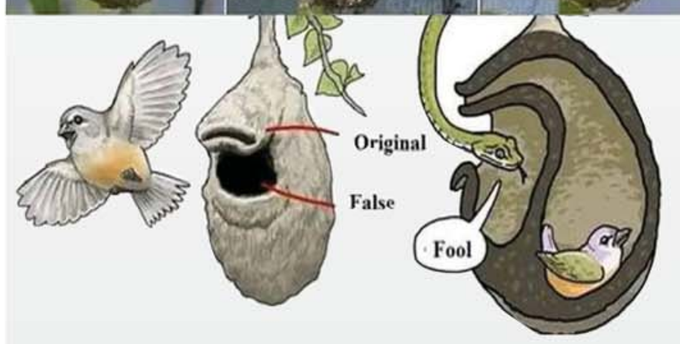

दुश्मन को धोखा देने नन्हीं चिड़िया ने बुना अनोखा घोसला, दिमाग हिला देगी चतुराई

कुदरत ने उन्हें ऐसी कारीगरी बख्शी है कि वो सांप जैसे फुर्तीले और जानलेवा दुश्मन को भी मिनटों में धोखा दे देती हैं. ऐसी ही एक चिड़िया है केप पेंडुलिन टिट जिसकी कलाकारी और स्ट्रैटजी ट्विटर पर वायरल हो रही है.

जमीन से कई फीट ऊपर बने घोसले में भी चिड़िया सुरक्षित नहीं. यहां इनका सबसे बड़ा दुश्मन होता है सांप. जो रेंगता हुआ घोसले तक पहुंच जाता है. और चिड़िया की खूबसूरत जिंदगी और तिनका तिनका जोड़कर बना घरौंदा बरबाद कर देता है. हर चिड़िया तो नहीं लेकिन कुछ नन्हे पक्षियों के पास इस घातक दुश्मन से निपटने का भी तरीका है. कुदरत ने उन्हें ऐसी कारीगरी बख्शी है कि वो सांप जैसे फुर्तीले और जानलेवा दुश्मन को भी मिनटों में धोखा दे देती हैं. सांप को धोखा देने के लिए ये चिड़िया चतुराई से अपना घोंसला बुनती है. एक एक घास ऐसे तानेबाने से कसा हुआ है कि उसे आसानी से समझ पाना ही मुश्किल है. ये चिड़िया अपनी दुनिया की किसी चतुर वास्तु शिल्पी से कम नजर नहीं आती. जो छोटे से घोंसले को ही इस तरह बनाती है कि दुश्मन चाह कर भी हमला नहीं कर पाता. इस चिड़िया को दक्षिणी पेंडुलिन टिट या केप पेंडुलिन टिट कहते हैं. जो अपने घोंसले में फॉल्स चैम्बर बनाती है.

यह पक्षी रेमीज़िडे फैमिली की है। इसका वैज्ञानिक नाम एंथोस्कोपस मिनुटस है। इसका प्राकृतिक आवास ड्राई सवाना, सबट्रॉपिकल, ट्रॉपिकल ड्राई स्रबलैंड और भूमध्यसागर की तरह की वनस्पति है। इसका घोसला 15 सेंटीमीटर ऊंचा, नौ सेमी गहरा और इतना ही चौड़ा होता है। इसे बनाने में यह कॉटन वूल जैसी मुलायम सामग्री का इस्तेमाल करती है। यह दक्षिण अफ्रीका की सबसे छोटी पक्षियों में से एक है। लेकिन अपने अंडों और चूजों को शिकारियों से बचाने के लिए यह घोसला इस तरह बुनती है कि सांप जैसे शिकारियों को धोखा दे सके। इस घोसले को बनाने में इसे 20 से 35 दिन लगते हैं। इस घोसले के एक तरफ ऐसा ढांचा बना होता है जो घोसले में जाने के रास्ते की तरह दिखता है लेकिन असल में यह दरवाजा नहीं होता है। अगर कोई शिकारी इसमें घुसता है तो उसे कुछ नहीं मिलता है और वह खुद को ठगा हुआ महसूस करता है। घोसले में घुसने का असली रास्ता इस ढांचे के ऊपर होता है। चिड़िया के घुसते ही असली रास्ता बंद हो जाता है। इसमें घुसने से पहले चिड़िया इसे अपने पैर की मदद से खोलती है। इसी तरह घोसले से निकलने पर चिड़िया इस रास्ते को बंद कर देती है।

क्या है फॉल्स चैम्बर का रहस्य?

तस्वीरों में आप देख सकते हैं चिड़िया के घोसले में दो एंट्रेंस नजर आ रहे हैं. घोसले में घुसने का एक रास्ता काफी बड़ा दिखता है. जबकि दूसरा रास्ता काफी छोटा है. जाहिर है कोई भी शिकारी खासतौर से सांप खुद ब खुद बड़े रास्ते का ही चुनाव करेगा. लेकिन इस रास्ते से अंदर जाने पर उसे घोंसला खाली ही नजर आएगा. क्योंकि चिड़िया दूसरे छोटे रास्ते से अपने घोंसले में प्रवेश करती है. घोसले में भी दो अलग अलग हिस्से हैं. मानो नन्ही चिड़िया ने दो कमरे का घर बनाया है. एक कमरा अपने शिकारी को कंफ्यूज करने के लिए. दूसरा कमरा वो जहां वो अपने कुनबे के साथ आराम फरमाती है. और शिकारी खाली हाथ लौटने पर मजबूर हो जाता है.

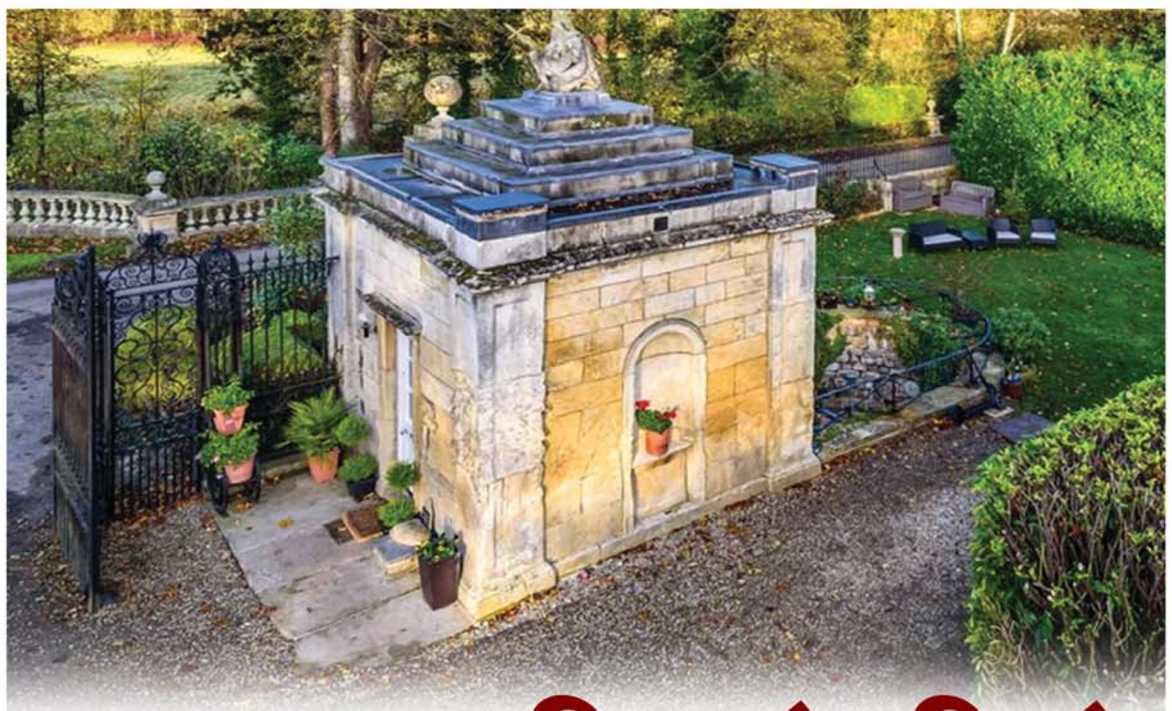

माचिस के डिब्बे जितना घर लेकिन करोड़ों में है कीमत

हर किसी का सपना होता है कि वो एक शानदार घर बनाए या ख़रीदे. वहीं, घर को ख़रीदते वक़्त कई बातों का ध्यान रखा जाता है जिसमें घर का स्पेस बहुत मायने रखता है. परिवार बड़ा हो या छोटा, थोड़ा स्पेसियस घर लेना सही रहता है और उसी हिसाब से घर की क़ीमत भी निर्धारित होती है. लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन में बहुत ही छोटा-सा घर है, जिसे काफी लोग ख़रीदना चाहते हैं और इस घर की क़ीमत करोड़ों में बताई जाती है. आइये, जानते हैं आखिर क्या है इसकी वजह.

ब्रिटेन का छोटा-सा घर

ये ब्रिटेन में हैं और माना जा रहा है कि करोड़ों में बिकने वाला है. ये घर इतना छोटा है कि लोग इसे माचिस की डिब्बा भी कह रहे हैं. तस्वीर को देखकर अंदाज़ा भी लगाया जा सकता है कि ये बाहर से उनता आलीशान भी नहीं लगता है कि इसकी क़ीमत करोड़ों में हो. माना जा रहा है कि इसकी क़ीमत क़रीब तीन करोड़ लगाई गई है.

छोटा है लेकिन कमाल का

भले कीमत के अनुसार घर उतना बड़ा या आलिशान न हो, लेकिन कुछ चीज़ें इस घर की काफ़ी हैरान कर देने वाली हैं. ये एक Georgian gate house है और कहते हैं कि इस घर के बेसमेंट में एक खूबसूरत बाथरूम और एक शानदार किचन भी मौजूद है. साथ ही इसके बेसमेंट में लिविंग क्वाटर की सुविधा भी दी गई है. इसका बेसमेंट लगभग 13ft लंबा है और 241 sqft का बना हुआ है. बाहर से भले ही ये छोटा लगे लेकिन अंदर से ये काफ़ी स्पेशियस लगता है, जिसे तस्वीर में साफ़ देखा जा सकता है.

अंदर से आकर्षक है इसका डिज़ाइन

ये घर 10 फ़ीट 5 इंच बाई 8 फ़ीट 6 इंच का है और लगभग 408 sqft में बना हुआ है. लेकिन, अपने आकर्षक इंटीरियर की वजह से काफ़ी बेहतरीन दिखता है. घर में दी गई सुविधाएं इसे ख़ास बनाने का काम करती हैं. इसके अंदर घुमावदार सीढ़ी भी बनाई गई है. इसे कम स्पेस में एक शानदार घर कहा जा सकता है. वहीं, इसका बाथरूम काफ़ी पॉश तरीक़े से बना हुआ है जो काफ़ी चर्चा में भी है. इसमें Olive Green Wooden Planks का इस्तेमाल किया गया है और Vintage Style Wall Lights लगाई गईं हैं.

क्यों है ये घर इतना महंगा?

इस घर की क़ीमत इसके आकार या डिज़ाइन से नहीं लगाई गई है बल्कि इसका इतिहास ही इसे क़ीमती बनाने का काम करता है. दरअसल, ये एक ऐतिहासिक गेस्ट हाउस है, जो North Yorkshire के Grimston Park Estate में बनाया गया था. कहते हैं कि 19वीं शताब्दी के दौरान यहां रॉयल परिवार से जुड़े लोग आकर रुका करते थे. वहीं, इसके मौजूदा मालिक काफी सालों से इस छोटे से घर में रह रहे हैं लेकिन अब वो इसे बेचना चाहते हैं.

50 साल से वीरान पड़ा है ये आइलैंड जहां पहले रहते थे हजारों लोग

अमेरिका की ईस्ट नदी में नॉर्थ की और एक ऐसा आइलैंड है जिसे भूतों का घर माना जाने लगा है। ये आइलैंड 50 सालों से वीरान है। पहले यहां हजारों लोग रहा करते थे, पर अचानक कुछ ऐसी घटनाएं घटीं कि देखते-देखते ये आइलैंड सुनसान हो गया। कहा जाता है कि अब इस आइलैंड पर प्रेतात्माओं का डेरा है। 20 एकड़ में फैले इस अइलैंड में कई इमारते हैं जो खंडहर हो रही हैं और कोई भी यहां जाने की हिम्मत नहीं करता। कई पैरानॉर्मल एक्सपर्ट्स यहां नेगेटिव एनर्जी महसूस कर चुके हैं और कहते हैं कि यहां कुछ तो गड़बड़ है।

कौन लोग रहते थे यहां

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सन् 1885 तक ये आइलैंड खाली पड़ा था। इसके बाद यहां पर एक हॉस्पिटल बनाया गया, जहां चिकनपॉक्स के मरीजों को रखा जाने लगा। दरअसल, उस दौर में चिकनपॉक्स एक जानलेवा बीमारी थी और उसे फैलने से रोकने के लिए पीड़ितों को शहर से इस दूर आइलैंड में रखा जाता था।

कई बीमारियों के लिए बने हॉस्पिटल

आइलैंड में पर्याप्त जगह होने की वजह से यहां टीबी समेत कई घातक बीमारियों के लिए हॉस्पिटल बनाए गए। मरीजों को शहर से लाकर यहां रखा जाने लगा।

अगर ठीक नहीं हुए तो जिंदगी भर की कैद

बताया जाता है कि इस आइलैंड पर गंभीर बीमारियां जबतक ठीक नहीं हो जाती थीं, तब तक मरीज को उसके घर जाने की इजाजत नहीं मिलती थी। यहां कई लोगों को जबरन रखा जाता था। किसी की बीमारी लाइलाज है तो उसे पूरी जिंदगी यहीं बितानी पड़ती। ऐसे में कुछ लोगों ने यहां आत्महत्या कर ली।

लगातार होने लगी मौतें

यूं तो इस आइलैंड पर बीमार लोग ही रह रहे थे पर 1943 में यहां मौत का सिलसिला शुरू हुआ। एक के बाद एक सैंकड़ों मौतों ने आइलैंड पर तबाही मचा दी। जो बच गए वो जैसे-तैसे भाग निकले। उसके बाद से इस आइलैंड को भुतहा माना जाने लगा। कहा जाता है कि यहां रहने वाले लोगों को उन आत्माओं ने मारा था, जिनकी मौत यहां एक जहाज डूबने से हुई थी।

तो क्या भटकती हैं प्रेतात्माएं?

इन मौतों को जनरल स्लोकम जहाज दुर्घटना से भी जोड़ा जाता है। 15 जून 1904 को इस आइलैंड के पास भाप से चलने वाला ये जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें आग लगने से 1 हजार लोगों की मौत हो गई थी। लंबे समय तक हजारों डेड बॉडी इसी आइलैंड के किनारे आकर लग गईं। माना जाने लगा कि इन्हीं लोगों की आत्माएं इस आइलैंड पर बस गई थीं और बाद में ये वहां रहने वाले लोगों की मौत का कारण बनीं।

देश का एकमात्र रेलवे स्टेशन जिसे भारतीय रेलवे नहीं बल्कि गांव वाले चलाते हैं

भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे स्टेशनों का संचालन व देख-रेख भारतीय रेलवे करता है. लेकिन, जानकर हैरानी होगी कि देश में एक ऐसा भी अनोखा रेलवे स्टेशन है जिसका संचालन भारतीय रेलवे नहीं बल्कि एक गांव के लोग करते हैं. गांव वालों के हाथों ही इस रेलवे स्टेशन की पूरी ज़िम्मेदारी है. क्यों इस रेलवे स्टेशन को गांव वाले चलाते हैं, इसके पीछे एक दिलचस्प वजह है, जिसे हम इस लेख में आपको बताएंगे. आइये, जानते हैं इस अनोखे भारतीय रेलवे स्टेशन के बारे में

भारत का अनोखा रेलवे स्टेशन

भारत के इस अनोखे रेलवे स्टेशन का का नाम है जालसू नानक हाल्ट रेलवे स्टेशन. ये अनोखा रेलवे स्टेशन राजस्थान में हैं और नागौर ज़िले से क़रीब 82 किमी की दूरी पर स्थित है. जानकारी के अनुसार, इस रेलवे स्टेशन का पूरा संचालन यहां के गांव वाले करते हैं.

गांव के फोजियों के लिए गांव के लोग मिलकर चला रहे हैं ये रेलवे

जानकर आश्चर्य होगा कि गांववाले ट्रेन का टिकट काटने से लेकर इस स्टेशन की पूरा ध्यान रखते हैं. जानकारी के अनुसार, इस स्टेशन पर 10 से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं. माना जाता है कि इस स्टेशन से अब 30 हज़ार से ज़्यादा आय हो रही है. यहां हर महीने 1500 टिकट बेचे जाते हैं यानी 50 टिकट रोज़ाना.

इस वजह से गांववालों ने ली स्टेशन की ज़िम्मेदारी

इस रेलवे स्टेशन को पहले भारतीय रेलवे ही चलाता था. इसे 1976 में चालू किया गया था. लेकिन, एक पॉलिसी के तहत उन सभी स्टेशनों को बंद करने का आदेश दिया गया जो कम रेवेन्यू वाले थे. इसमें जालसू नानक हाल्ट रेलवे स्टेशन भी शामिल था, जिसे 2005 में बंद करने का आदेश दिया गया था लेकिन, गांव वालों ने इसका विरोध किया और 11 दिनों तक धरने पर बैठ गए. बाद में एक शर्त पर इस रेलवे स्टेशन को खोलने की बात रखी गई कि गांव वालों को ही इसे चलाना होगा.

चंदा जुटाया गया था

गांव वालों ने शर्त मान ली थी. वहीं, कहते हैं कि इस काम के लिए उन्होंने आपस में चंदा इकट्ठा किया था. लगभग डेढ़ लाख रुपए चंदे से इकट्ठे किए गए थे. इन पैसों से 1500 टिकट ख़रीदे गए और बाकी पैसे निवेश में लगा दिए गए. साथ ही गांव वालों ने 5 हज़ार की सैलरी पर एक ग्रामीण को टिकट बेचने के काम पर लगाया.

फ़ौजियों का गांव

जानकारी के लिए बता दें कि ये गांव फ़ौजियों का गांव कहा जाता है. यहां से लगभग 200 जवान भारतीय सेना में हैं और 250 से ज़्यादा रिटायर्ड पर्सन हैं. फ़ौजियों के आवागमन के लिए ही इस रेलवे स्टेशन की शुरुआत की गई थी. हालांकि, अब गांव वाले चाहते हैं कि इस स्टेशन को भारतीय रेलवे फिर से अपने हाथों में ले ले.

सार-समाचार

ईवीएम हैकिंग से बचने के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग इंटरनेट सेवा बंद कराकर चुनाव कराया

रायपुर। ईवीएम हैकिंग प्रक्रिया से बचने के लिए मतदान प्रक्रिया के दौरान केंद्रीय निर्वाचन आयोग इंटरनेट सेवा बंद कराकर चुनाव कराया जाए जिससे कि ईवीएम हैकिंग की संभावनाओं से बचा जा सकें। उक्त बातें रोटी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव ने पत्रकारवार्त के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले उन्होंने केंद्रीय निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव व लोक सभा चुनाव में ईवीएम हैकिंग प्रक्रिया से बचने के लिए इंटरनेट सेवा बंद करने की सलाह दी थी। उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों का बताया कि ईवीएम में छेड़छाड़ करके वोट को हैक किया जा सकता है इसलिए इंटरनेट सेवा बंद कराकर आगामी विधानसभा चुनाव कराया जाए जिससे चुनाव आचार संहिता का पालन भी ठीक से किया जा सके। लेकिन चुनाव आयोग ने पाँच राज्यों में चुनाव कि घोषणा की परंतु इस मुख्य विषय पर चुप्पी साधी रही। चुनाव आयोग ईवीएम हैकिंग की प्रक्रिया में खुद शामिल हैं तथा एक विशेष राजनैतिक पार्टी के पक्ष में खड़ा है, अगर इंटरनेट सेवा बंद कराकर चुनाव नहीं हुआ तो चुनाव बाद एक रेडीमेड रिज़ल्ट देशवासियों को मिलेगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय सेना की पूर्वी कमान के तत्वावधान में आयोजित ईस्ट टेक (2023) में अपने विशेष-उद्देश्यीय हाईलक्स का प्रदर्शन किया

रायपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारतीय सेना के पूर्वी कमान द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी-शोकेस के एक वार्षिक कार्यक्रम, ईस्ट टेक 2023 (ईटी2023) में एक अधिकृत बाहरी विक्रेता के सहयोग से संशोधित दो विशेष प्रयोजन वाले प्रतिष्ठित हाईलक्स का प्रदर्शन किया। असम सरकार के सहयोग से भारतीय सेना के इस आयोजन का उद्देश्य अपने किस्म के अनूठे स्वदेशी विकास और रक्षा तकनीकी क्षमताओं के उत्पादन को बढ़ावा देना तथा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। इसके अलावा, यह वर्ष भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के लिए तालमेल और अनुसंधान विकास तथा नवाचार के क्षेत्रों में सेना के प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी छलांग भी है। भारतीय सेना समेत अपने विशिष्ट उपभोक्ताओं की विभिन्न गतिशीलता आवश्यकताओं को समझने के लिए व्यापक बाजार सर्वेक्षण आयोजित करने के बाद टीकेएम ने अपने अधिकृत बाहरी विक्रेता के जरिये बहुमुखी हाईलक्स में कुछ संशोधन किए हैं, जो सेना की विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। ऐसी दो गाड़ियां प्रदर्शित की गई हैं। इनमें भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले वाहन भी हैं। ये क्यूरेटेड वाहन सेना के उपयोग सहित विशेष ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अद्वितीय समाधानों की पहचान करने के लिए टीकेएम की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, और इस प्रकार बाजारों तथा कार्यक्षेत्रों में बढ़ती गतिशीलता आवश्यकताओं का समर्थन करते हैं, जिससे 'सभी के लिए गतिशीलता' मुहैया कराई जाती है। इस तरह के बाजार सर्वेक्षण के अलावा, टीकेएम ने सेना की विशिष्ट जरूरतों और अन्य विशेष उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक अधिकृत बाहरी विक्रेता के माध्यम से टोयोटा हाईलक्स में फील्ड डायग्नोसिस व्हीकल (एफडीवी) और फॉरेस्ट पेट्रोलिंग व्हीकल (एफपीवी) में उपभोक्ता आवश्यकताओं के अनुरूप दो अलग-अलग संशोधन लागू किए हैं। विविध भूभाग और जलवायु परिस्थितियों के कारण भारतीय सेना की परिचालन और लॉजिस्टिक चुनौतियों को देखते हुए, सैनिकों की ऑन-ग्राउंड आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक अनुकूलन और समर्पित समाधान की आवश्यकता है। इस दिशा में, एफडीवी को रक्षा स्थलों पर सेना का समर्थन करते हुए, दूरदराज के स्थानों में आवश्यक वाहन सेवा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दूसरी ओर, एफपीवी भारतीय सेना को गश्त, निगरानी में मदद करता है और रात में बेहतर दृष्टि के लिए फॉग लैंप, रिकॉर्डिंग के लिए डिजिटल वीडियो और आपातकालीन स्थितियों के दौरान बचाव कार्यों के लिए घिरनी / चरखी से सुसज्जित है। इन संशोधित रूपांतरणों के अलावा, सामान्य उद्देश्य वाले हाईलक्स (सामान्य ग्राहकों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक उपयोगों को पूरा करने वाला) भी 10-11 अकतूबर के दौरान मणि राम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। इससे पहले जुलाई 2023 में, टीकेएम ने टोयोटा हाईलक्स का एक बेड़ा सौंपा था, जो कंपनी की भारतीय सेना को अपनी हाईलक्स की पहली डिलीवरी थी। इसके अलावा, सितंबर 2023 में, टोयोटा ने भारतीय सेना के उत्तरी कमान द्वारा आयोजित नॉर्थ टेक संगोष्ठी में दो संशोधित (एक अधिकृत बाहरी विक्रेता के समर्थन से) हाईलक्स वाहन - फील्ड डायग्नोसिस व्हीकल (एफडीवी) और रैपिड इंटरवेंशन व्हीकल (आरआईवी) प्रदर्शित किए।

मलखंभ के करतब दिखाकर मतदान और मताधिकार का उपयोग करने दिया संदेश

संत शिरोमणि गुरु घासीदास महाविद्यालय पामगढ़ में मतदाता जागरूकता हेतु स्वीप मलखंभ का हुआ आयोजन

शत प्रतिशत मतदान और मतदाताओं को जागरूक करने खिलाड़ी ने दिलाई शपथ

जांजगीर-चांपा/ भारत निर्वाचन आयोग और छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में जिले में शतप्रतिशत मतदान और मताधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसमें बुजुर्ग, दिव्यांग, युवा, थर्ड जेंडर एवं महिला सहित अन्य मतदाताओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर शत प्रतिशत मतदान के प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत "कोसा कांसा कंचन वोट करेगा जन-जन" की थीम पर स्वीप मलखंभ का आयोजन आज पामगढ़ के संत शिरोमणि गुरु घासीदास महाविद्यालय में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मलखंभ खिलाड़ियों ने तरह-तरह के करतब दिखाकर मतदाता जागरूकता का संदेश लोगो को दिया। साथ ही उपस्थित स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं, दिव्यांगजनो, थर्ड जेंडर एवं महिलाओं ने "वोट" मानव श्रृखंला बनाकर शतप्रतिशत मतदान और मताधिकार का उपयोग करने लोगो को संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है हमे अपने मताधिकार का सही उपयोग करना है और सही व्यक्ति को चुनना है। उन्होने छात्र छात्राओं से अपने आसपास और अपने परिवार जनों, अन्य सदस्यों को मताधिकार का प्रयोग करने प्रेरित करने कहा। संयुक्त कलेक्टर एवं स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ आराध्या राहुल कुमार ने स्वीप मलखंभ की जानकारी दी। कार्यक्रम में मलखंभ खिलाड़ी कु. डिम्पी सिदार ने सभी मतदाताओं को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य, संयुक्त कलेक्टर एवं स्वीप नोडल अधिकारी डॉ आराध्या राहुल कुमार, एसडीएम पामगढ़ श्री आर के तंबोली, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, उप संचालक समाज कल्याण श्री टी पी भावे सहित वरिष्ठ नागरिक, थर्डजेंडर, महिलाएं, युवा, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कलेक्टर-एसपी ने ली उड़नदस्ता और स्थैतिक निगरानी टीम की बैठक

पूरी सतर्कता, निष्पक्षता और मुस्तैदी से निगरानी के दिए निर्देश

भारत भास्कर रिपोर्टर

बिलासपुर :- 11 अक्टूबर 2023 को उड़नदस्ता एवं स्थैतिक निगरानी टीम को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने निर्देश है कि टीम पूरी सर्तकता, निष्पक्षता और मुस्तैदी से निगरानी करें। उन्होंने कहा कि उड़नदस्ता निगरानी टीम (एफएसटी) और स्थैतिक निगरानी टीम (एसएसटी) के सदस्य आपसी सांमजस्य से काम करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने टीम के सदस्यों को सख्त निर्देश दिए है कि कोई भी शिकायत प्राप्त होने एवं किसी माध्यम से सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचे और शिकायत की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कोई भी शिकायत मिलने पर 100 मिनट में उसका अनुपालन करना है। उन्होंने कहा कि सभी सीविजिल ऐप डाउनलोड करें।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसएसटी टीम के सदस्यों को भी निर्देश देते हुए कहा कि सभी पूरी निष्पक्षता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों एवं पुलिस की टीम में समन्वय होना चाहिए। एसएसटी की टीम नाकों पर बाहर से आने-जाने वाले लोगों पर कड़ी निगरानी रखें। वहां से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच करेगा और इस बात का विशेष ध्यान रखे कि आमजन के साथ सहजता से व्यवहार करें। अनावश्यक लोगों को परेशान न करें। संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। बैठक में नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत, एडीएम आरए कुरूवंशी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेश शर्मा सहित अधिकारी उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करें आयोजित : सीईओ जिला पंचायत

जिला स्वीप कोर समिति की बैठक

बिलासपुर :- 11 अक्टूबर 2023 को जिला स्वीप कोर समिति की बैठक स्वीप के नोडल अधिकारी और जिला पंचायत सीईओ अजय अग्रवाल ने ली। उन्होंने विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कलेण्डर निर्धारित कर वृहद स्तर पर आयोजित करने के निर्देश समिति के सदस्यों को दिए।

जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में सीईओ श्री अग्रवाल ने मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। अग्रवाल ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम "स्वीप" का लोकतंत्र में विशेष महत्व है। उन्होंने स्वीप कलैण्डर के अनुसार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करने कहा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाकर प्रचार-प्रसार करें। अग्रवाल ने स्कूलों और कॉलेज में नारा लेखन, रंगोली, वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से स्वीप की गतिविधियां करने कहा। उन्होंने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष सेल्फी बूथ बनाने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रत्येक विधानसभा में स्वीप का कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित करने कहा। खाद्य विभाग को सभी पेट्रोल पंप पर सेल्फी बूथ बनाने के निर्देश दिए। आबकारी विभाग को सिनेमा हॉल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का वीडयो क्लिप चलवाने के निर्देश दिए। सीएमएचओ को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित संजीवनी एवं महतारी एक्सप्रेस वाहनों में स्वीप के बैनर लगाने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग को स्कूली बच्चों के बीच स्वीप को लेकर वृहद स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए। आदिवासी विकास विभाग को सभी छात्रावासों में स्वीप के कार्यक्रम आयोजित करने कहा। इसके अलावा होर्डिंग्स, डिस्पले बोर्ड, साईकिल रैली, नुक्कड़ नाटक और प्रभात फेरी में भी स्वीप गतिविधियां का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करें। बैठक में स्वीप कोर समिति के सदस्य मौजूद थे।

बैंक में बड़ी राशि की लेनदेन की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दें : कलेक्टर

कलेक्टर-एसपी ने ली बैंकर्स की बैठक

भारत भास्कर रिपोर्टर

बिलासपुर :- 11 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर संजीव झा एवं एसपी संतोष सिंह ने मंथन सभाकक्ष में बैंक प्रबंधकों की बैठक लेकर उन्हें चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बैंक खातों में बड़ी राशि के लेनदेन एवं अंतरण पर कड़ी नजर रखें और तत्काल इसकी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को दें। कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में बैंक प्रबंधन की बड़ी भूमिका है। अपनी भूमिका को जिम्मेदारी के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को नामांकन भरने के पूर्व बैंक में नया खाता खुलवाना होगा। हो सकता है उनके पास कम समय हो। बैंक प्रबंधन प्राथमिकता से उनका खाता खोलें। एसपी श्री संतोष सिंह ने कहा कि अवैध तरीके से नगद परिवहन के लिए निगरानी दल तैनात की गई है। यदि नगद जब्त करते हैं और इसकी पुष्टि बैंक से कराना चाहते हैं तो तत्काल एवं संवेदनशीलता के साथ जवाब दें ताकि कार्रवाई में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था भी दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेश शर्मा सहित तमाम बैंक प्रबंधक उपस्थित थे।

कलर्स ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर अपने आगामी सोशल ड्रामा - 'डोरी' का पहला लुक जारी किया

रायपुर। सामाजिक रूप से प्रासंगिक शो को सामने लाने और रूढ़िवादिता को चुनौती देने की अपनी सहज प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध, भारत का अग्रणी एचजीईसी कलर्स 'डोरी' नामक एक और विचारोत्तेजक सोशल ड्रामा लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस आगामी शो में जिन सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की जाती है, वह कई परित्यक्त लड़कियों की वास्तविकता को छूती है जिन्हें उनके माता-पिता नहीं अपनाते हैं। पितृसत्तात्मक समाज में ये लड़कियां माता-पिता की पहली पसंद नहीं हैं। यह लैंगिक असमानता लोगों के मन में घर कर गई है, जिन्हें महिलाओं के प्रति अपना नज़रिया बदलना होगा और ज़मीनी स्तर पर उनकी शक्ति को पहचानना होगा। इस भेदभाव पर चर्चा करते हुए, 'डोरी' ऐसी कहानी पेश करता है जिसमें मानसिकता को प्रभावित करने की क्षमता है, जिससे सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकता है। यह शो छह साल की प्यारी बेटी डोरी की कहानी है, जो बनारस के बुनकर मोहल्ले में अपने पालक पिता गंगा प्रसाद के साथ रहती है। गंगा प्रसाद एक अनुरागी पिता है, जिसने डोरी को उत्तम आदर्शों के साथ पालने को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया है, और जिसके रचनात्मक अस्थायी समाधान यह सुनिश्चित करते हैं कि उसकी बेटी सुविधाओं की कमी महसूस न करे। शो ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर अपना पहला विचारोत्तेजक प्रोमो जारी किया और अपने मुख्य पात्रों डोरी, गंगा प्रसाद और कैलाशी देवी का परिचय दिया। इस प्रोमो की शुरुआत डोरी के एक दिल छू लेने वाले दृश्य से होती है।

टोल प्लाजा में एसएसटी दल का लिया जायजा

कलेक्टर-एसपी ने आबकारी गोदाम एवं शराब निर्माण ईकाई का किया निरीक्षण

भारत भास्कर रिपोर्टर

बिलासपुर :- 11 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर संजीव झा एवं एसपी संतोष सिंह ने आज सिरगिट्टी स्थित आबकारी गोदाम एवं निजी क्षेत्र की शराब निर्माण ईकाई का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। नगर निगम आयुक्त कुणाल दुदावत भी साथ थे। छत्तीसगढ़ राज्य ब्रेवरेज कार्पोरेशन के इस गोदाम के जरिए बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग के 14 जिलों की 207 दुकानों को शराब की सप्लाई की जाती है। उन्होंने लगभग आधे घण्टे तक गोदाम में शराब की आवक जावक एवं इसकी कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए शराब दुकानों एवं इसके वितरण पर कड़ी निगरानी के निर्देश प्रशासन को दिए हैं।

आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जीपीएस सिस्टम से गोदाम में शराब लेकर आने एवं बाहर जाने वाले वाहनों की मॉनीटरिंग की जाती है। 25 सीसीटीव्ही के जरिए गोदाम में हर गतिविधि की निगरानी की जाती है। कलेक्टर ने यहां फायर फाईटिंग सिस्टम को भी अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टॉक पंजी का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने टूट-फूट वाले मदिरा सामग्री का डिस्पोजल पारदर्शिता तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिरगिट्टी में ही शराब निर्माण करने वाली निजी क्षेत्र की ईकाई का भी गहन निरीक्षण किया। बाटलिंग, होलोग्राम सहित पूरी प्रक्रिया की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर-एसपी इसके बाद रायपुर रोड पर भोजपुरी टोल नाके का निरीक्षण किया। टोल नाके पर जिले में अवैध शराब, नकद आदि संदेहास्पद वस्तुओं की रोकथाम के लिए एसएसटी टीम तैनात की गई है। कलेक्टर ने टीम के सदस्यों से चर्चा कर गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने टीम के सदस्यों के बैठने के लिए छाया-पानी की व्यवस्था के निर्देश दिए। चूंकि प्लाजा से होकर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है, इसलिए एसएसटी दल में अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती करने एवं आस-पास गांव के कोटवारों की भी ड्यूटी लगाने को कहा है। इस अवसर पर आबकारी उपायुक्त दिनकर वासनिक, गोदाम प्रबंधक चिन्ताराम साहू सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

एक नेतन्याहू और घायल इजराइल!

हरिशंकर व्यास

हां, इजराइल घायल है, सदमें में है, खौफ में है और दुनिया यह सोच हैरान है कि यह देश भला इतना सोया हुआ और लापरवाह कैसे? वह भी तब जब प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सत्ता साझेदार कट्टर यहूदी पार्टियां इस हवाबाजी के साथ थे कि वे इजराइली सुरक्षा के बाहुबली हैं। वे उदारवादी नहीं, बल्कि इस्लामी आतंकी हमास व हिज्बुल्ला जैसों को ईंट के बदले पत्थर से जवाब देने वालेहै। नेतन्याहू मतलब छप्पन इंची छाती का यहूदी नेता। लेकिन आज हकीकत? अपना मानना है सात अक्टूबर 2023 की तारीख इजराइल का न केवल 9/11 है, बल्कि वैश्विक पैमाने पर इस्लाम बनाम यहूदी, इस्लाम बनाम पश्चिम, इस्लाम बनाम शेष धर्मों के सभ्यतागत संघर्ष की वह नई चिंगारी है, जिससे विश्व राजनीति में यूक्रेन-रूस युद्ध जैसा मोड़ आए। और यूरोप के बाद अरब-खाड़ी-पश्चिम एशिया में भी भारी उथल-पुथल।

कल्पनातीत है यह सोचना की इजराइल को अपने पिछवाड़े की आतंकी तैयारियों का भान नहीं हुआ, जबकि दुनिया और खुद इजराइल दशकों से आतंकवाद झेलता हुआ है। सात अक्टूबर 2023 को आतंकियों ने जब सैकड़ों की संख्या में इजराइल पर धड़ाधड़ रॉकेट दागे तो उसके नेता और अधिकारी हैरानी में कहते हुए थे कि- हमें नहीं पता कि ये कैसे हो गया।

वह इजराइल, वह मोसाद, जिससे दुनिया के देश खुफियागिरी के पाठ पढ़ते हैं, जो उन सॉफ्टवेयर (पैगासस आदि), उपकरणों का निर्यातक है, जिससे भारत सहित दुनिया भर के देशों में नागरिक अधिकारों और लोगों की निजता का हनन होता है। वह इजराइल, जिससे अरब देशों में खौफ रहा है। वह इजराइल, जिसने ठीक पचास साल पहले 1973 में मिस्र-सीरिया की साझा अरब सेनाओं के योम किप्पूर युद्ध की अप्रत्याशितता के बावजूद तुरंत जवाबी मुकाबले में अपने को झोंक दिया था। वह इजराइल, जिसने एक दशक से हमास, हिज्बुल्ला को हर तरह से ठोका और पस्त किया लेकिन वह नहीं समझ पा रहा है कि 'ये कैसे हो गया'।

जवाब है नेतन्याहू की सत्ता भूख और इजराइली जनता का दो खेमों में बंटा हुआ होना। नेतन्याहू बतौर लिकुड नेता उन कट्टर यहूदियों के वोटों व उनकी प्रतिनिधि पार्टियों के एलायंस से प्रधानमंत्री बनते रहे हैं, जिन्होंने धर्म और राष्ट्रवाद में यहूदियों को ही दो हिस्सों में बांट दिया। हां, हमास के हमले के बाद देश के सभी यहूदी अभी जरूर एकजुट हैं लेकिन हमले से पहले इजराइली लोग दो खेमों में बंटे हुए थे। नेतन्याहू समर्थक और नेतन्याहू विरोधी। कट्टरपंथी बनाम उदारवादी। जैसे अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप बनाम जो बाइडेन। भारत में मोदी भक्त बनाम मोदी विरोधी। और यह सत्य भी नोट रखें कि विश्व राजनीति में नेतन्याहू, डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी का साझा चिन्हित रहा है।

जाहिर है इजराइली यहूदी हाल के सालों में विभाजित रहे हैं। नेतन्याहू ने सत्ता में बने रहने की भूख में कट्टरपंथियों को मनमानी करने दी। बात-बेबात फिलस्तीनी इलाके में तेवर दिखाते रहे। कभी यहूदी बस्तियों को फैलाने की जिद्द में तो कभी सीमा पार के हमास और हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले व कभी अल अक्सा मस्जिद इलाके में उकसाने वाली हरकतों से नेतन्याहू सरकार का मैसेज था कि वे ही हैं जो यहूदी हितों के लिए मर मिटने वाले हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कट्टरपंथियों के चंगुल में ऐसा मकड़जाल बनाया, जिससे वे जहां अदालत में भ्रष्टाचार मामले में कटघरे में हैं तो वही अपने वर्चस्व के लिए संविधान व व्यवस्था से भी खिलवाड़ करते हुए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट याकि अदालती स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए जो संविधान संशोधन बनाया है उससे न केवल इजराइल में उनका स्थायी विरोध है, बल्कि दुनिया में भी बदनामी है।

तभी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उनसे दूरी बनाई। यहूदी थिंक टैंक नेतन्याहू सरकार के आलोचक हुए। नेतन्याहू ने अपनी सरकार को अछूत और लोकतंत्र के नाम पर कलंकित किया। उनके खिलाफ विरोध आंदोलन इतने सघन हैं कि रिजर्व आर्मी के लोग भी विरोधी प्रदर्शनों व हड़ताल पर उतरे। एयरपोर्ट कंट्रोलरों से ले कर सुरक्षाकर्मी सभी ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन-धरना में हिस्सा लिया। इजराइल अंदरूनी तौर पर बिखरा और विभाजित हुआ।

इसलिए 'हमें नहीं पता कि ये कैसे हो गया' की जिम्मेवारी एक अकेले नेतन्याहू की बनती है। नेतन्याहू अपनी सत्ता, अपनी तिकड़मों में देश और उसकी व्यवस्था को ऐसा बेसुध व लापरवाह बना बैठे, जिससे सरकार, सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियां आदि किसी को भी नहीं सूझा कि दुश्मन इसका फायदा उठा सकता है।

सही में आतंकी फिलस्तीनी संगठन हमास का सात अक्टूबर 2023 का आपरेशन 'अल अक्सा फ्लड' इजराइल की अंदरूनी स्थितियों का परिणाम है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की बनवाई अंदरूनी कलह का नतीजा है। संदेह नहीं कि इजराइल के बाहुबल के आगे आतंकी टिक नहीं पाएंगे। यहूदी इकट्ठे हो गए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन और पश्चिमी देश इजराइल के पीछे आ गए हैं। मगर इजराइल की इमेज, धमक को जो नुकसान होना था वह तो हो चुका है। 1967 और 1973 की अरब-इजराइल लड़ाई से इजराइल का जो वैश्विक रुतबा बना था वह सात अक्टूबर 2023 से अब धूल धसरित है। कौन अब मोसाद को सर्वाधिक काबिल खुफिया एजेंसी मानेगा? कौन अब यह मानेगा कि सिर्फ 25 मील लंबी और छह मील चौड़ी गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक के 22 लाख लोगों का इजराइली पिछवाड़ा हमेशा इजराइल की दबिश में रहने वाला है? हमास अब न केवल 55 लाख फिलस्तीनियों के दिलों पर राज करते हुए है, बल्कि दुनिया भर के उन इस्लामी उग्रवादियों, कट्टरपंथियों, आतंकियों और ईरान से ले कर चीन जैसे उन तमाम देशों का महानायक है, जो पश्चिमी सभ्यता और यहूदियों से किसी न किसी बात पर पंगा ठाने हुए हैं। कहने को नेतन्याहू ने कहा है कि हमास को हम मिट्टी में मिला देंगे। लेकिन गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में जिस तादाद में फिलस्तीनी लोग हमास के पक्ष में सड़कों पर उमड़े हैं और आतंकियों ने इजराइली बंधकों को वहां के अपने ठिकानों में छुपाया है तो उस रियलिटी में इजराइली सैनिक कितनों को मिट्टी में मिला सकते हैं? हमास का आपरेशन फिलस्तीनियों को, इस्लामी देशों को और दुनिया को मैसेज देने के लिए है। यह इस्लामी आतंकियों में जान फूंकने के लिए है। यह इजराइल के अरब देशों से बनते रिश्तों को तुड़वाने वाला है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू को पहले यहूदी बंधकों को छुड़वाना है। फिर हमास और उनके आतंकियों के ठिकाने खत्म करने हैं। ऐसा करते हुए वे गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक की मौजूदा व्यवस्था को खत्म करें, वहां की कथित स्वायत्त व्यवस्था को मिटाएं यह संभव नहीं और यदि ऐसा कर भी दें तब 22 लाख लोगों की आबादी को पिंजरे में बंद करके रखना और मुश्किल होगा।

जाहिर है सात अक्टूबर 2023 का दिन देर-सबेर प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लंबे मगर कलंकित अध्याय के खत्म होने का प्रारंभ है तो वही बतौर राष्ट्र-राज्य इजराइल को नए सिरे से सोचना होगा कि फिलस्तीनी मसले का वह क्या समाधान निकले, जिससे हमास और हिजबुल्ला फिलस्तीनी संघर्ष के लड़ाके न माने जाएं, बल्कि आतंकी कहे जाएं? कटु सत्य है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों के नेता भले हमास को आतंकी करार दे रहे हैं लेकिन 'न्यूयॉर्क टाइम्स' आदि उन्हें फिलस्तीनी संघर्ष के लड़ाकू, मिलिटेंट लिख रहे हैं। सो, इजराइल पर हमास ने जो हमला बोला है और उसके समर्थन में फिलस्तीनी जैसे कूदे हैं तो नेतन्याहू से ले कर इजराइली प्रभु वर्ग को समझ आ रहा होगा कि अब नए सिरे से नया सोचना होगा। नया कुछ करना होगा।

राहुल, प्रियंका कर क्या रहे?

सोचें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर। उन्होने प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस को लगातार करप्ट कहने के बावजूद क्रोनी पूंजीवाद, अदानी, भ्रष्टाचार पर बोलना रोक दिया। ओबीसी और आरक्षण के उस मुद्दे को पकड़ा है जिसका चुनाव के मौजूदा राज्यों में ज्यादा अर्थ नहीं है। उन्होने पिछले महीने संसद के विशेष सत्र से पहले यानी 18 सितंबर से पहले तेलंगाना में एक सभा की। उसके बाद से कांग्रेस के नेता आज तक उस सभा की व्याख्या कर रहे हैं। तेलंगाना में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावना है लेकिन अपने को झोंक कर चुनाव लड़ने का जज्बा राहुल-प्रियंका-खडगे में नहीं दिख रहा है। तेलंगाना हो या मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान कांग्रेस नेताओं ने सब कुछ प्रदेश के नेताओं के हवाले छोड़ा हुआ है। प्रदेश के नेता भी पुराने ढर्रे पर लड़ रहे हैं।

कांग्रेस के बड़े नेताओं को लगता है कि अगर सोनिया, राहुल या प्रियंका को चुनाव में झोंका और नहीं जीते तो उनका ब्रांड कमजोर होगा। वे समझ ही नहीं रहे हैं कि ब्रांड पहले ही बहुत कमजोर हो चुका है। अब ब्रांड की प्रतिष्ठा फिर से बहाल करने के लिए जरूरी है कि वे अपने को उसी तरह चुनाव में झोंके, जैसे मोदी अपने को झोंकते हैं। सोचें, जब मोदी को इस बात की परवाह नहीं रहती है कि चुनाव हार गए तो ब्रांड का क्या होगा तो राहुल और प्रियंका को क्यों इसकी चिंता करनी चाहिए? मोदी छोटे से छोटे राज्य में दिन-रात मेहनत करके प्रचार करते हैं। लेकिन राहुल और प्रियंका की चुनिंदा सभाएं होती हैं। क्या इसका एक कारण यह नहीं है कि ये दोनों नेता जिम्मेदारी लेने से बचना चाहते हैं?

उन्होंने प्रदेश के नेताओं को जिम्मेदारी दी है जबकि आगे बढ़ कर खुद जिम्मेदारी लेनी चाहिए। प्रचार को लीड करना चाहिए। इससे जहा गुटबाजी खत्म होती है और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता है। अगर आप विपक्ष में हैं तब तो सड़क पर उतर कर संघर्ष करना ही होता है। लेकिन आज की राजनीति में उलटा है। सत्ता में रहते हुए भी मोदी और शाह सड़क पर उतर कर संघर्ष करते हैं और पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर चुनाव नहीं हो रहा है, मोदी के चेहरे पर हो रहा है। राजस्थान में भी मोदी के चेहरे पर चुनाव हो रहा है तो छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी मोदी के चेहरे पर चुनाव हो रहा है। इसमें जोखिम है फिर भी मोदी ऐसी राजनीति कर रहे हैं। क्या ऐसा आत्मविश्वास राहुल, प्रियंका या खड़गे दिखा सकते हैं?

चाहे प्रचार और रैलियों का मामला हो या उम्मीदवारों का चयन करना हो या प्रचार की रणनीति बनानी हो सब पर मोदी की नजर रहती है। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां के प्रचार की बात छोड़ें तो उम्मीदवारों के चयन में भी दोनों पार्टियों का फर्क दिख रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने पार्टी के स्तर से फीडबैक लेने के साथ साथ कई एजेंसियों से सर्वे करा कर एक-एक विधानसभा सीट की जानकारी जुटाई है। कहां कौन सा उम्मीदवार कमजोर है, किसकी संभावना बेहतर है, कहां क्या जातीय समीकरण है, यह सब तय किया हुआ है। तभी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हारी हुई और कमजोर सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा महीनों पहले कर दी।

ध्यान रहे कर्नाटक में मोदी-शाह ने प्रदेश के नेताओं को खुली छूट दी थी, जिसका नुकसान वहां हुआ। इसलिए पांच राज्यों में सब कुछ अपने हाथ में ले लिया। कर्नाटक में विपक्ष ने नैरेटिव सेट किया था और उसके तय किए मुद्दों पर मोदी को चुनाव लड़ना पड़ा था। उससे सबक लेकर उन्होंने पांच राज्यों में पहले से नैरेटिव सेट करना शुरू कर दिया। अब वे किसी मसले पर जवाब नहीं दे रहे हैं, बल्कि विपक्षी पार्टियां उनके तय किए मुद्दों पर चुनाव लड़ रही हैं। विपक्ष की ओर से न प्रचार में कोई इनोवेशन दिख रहा है और न मुद्दे तय करने में और न उम्मीदवार तय करने में। सब कुछ पारंपरिक तरीके से और पुराने ढर्रे पर हो रहा है।

इजराइल बनाम हमास: दुनिया पीछे जा रही!

श्रुति व्यास

सात अक्टूबर को यहूदियों की छुट्टी का दिन था।और उसी दिन इजराइल थर्राया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यहूदियों को संबोधित करते हुए कहा वे जंग के अधबीच हैं।तुरंत एक बंटा और बिखरा हुआ देशएकजुट हो गया।और योम किपुर युद्ध के ठिक 50 साल बाद इतिहास अपने को दोहराता हुआ। और दुनिया फिर एक और जंग की और। हमास के इजराइल पर इस अचानक हमले से सभी चकित रह गए। इजराइल का मज़बूत आतंकवाद निरोधक ढांचा हकबका गया। सवाल है उसका रक्षा तंत्र इतनी बुरी तरह से असफल क्यों हुआ? एक ऐसे देश जिसने पैगासिस के जरिए सभी के जीवन में घुसपैठ की हुई है उसे अपनी बाड़ के पार मौजूद आंतकवादियों के इरादों और तैयारियों की हवा तक क्यों नहीं लगी? इजराइल बहुत ही होशियारी से फिलिस्तीनी समुदाय की निगरानी, उनके बीच में घुस कर करता रहा है। और हमास की गतिविधियों पर नजर रखना तो उसके सुरक्षा ढांचे के सबसे प्रमुख कार्यों में एक है। लेकिन 7 अक्टूबर की सुबह इजराइल हैरान रह गया।तभी यह न केवल इंटेलिजेंस की नाकामी है बल्कि इजराइल के पूरे तंत्र की नाकामी है। हमास ने पिछले 50 साल में इस यहूदी राष्ट्र पर सबसे बड़ा और बर्बर हमला किया है।इस हमले को उसने इजराइल द्वारा येरूशलम की टेम्पल माउंट पहाड़ी पर स्थित अल-अक्सा के परिसर पर किए गए 'हमले' का जवाब बताया है।इन पंक्तियों को लिखे जाने तक लड़ाई और बमबारी चरम पर थी। इजरायली अधिकारियों के अनुसार हमास के हमले में कम से कम 300 इजराइलियों की मौत हो चुकी है और 1,590 घायल हैं। गाजा में इजराइल की जवाबी कार्यवाही में भी 300 से ज्यादा फिलिस्तीनी जान गंवा चुके हैं और 1,610 घायल हैं।हमास ने दर्जनों इजरायली फौजियों और नागरिकों का अपहरण किया है।उधर इजराइल ने गाजा की बिजली-पानी-राशन सबकी सप्लाई काट दी है। लोग अपने घर छोड़कर भाग रहे हैं। इजराइल में पूरी तरह तालाबन्दी है और लोगों को भूमिगत रहने को कहा गया है।

हमास हमेशा से लंबी अवधि की योजनाएं बनाता रहा है। सैन्य चुनौतियों का सामना करने की उसकी क्षमता बेहतर हुई है और इजराइल की कमजोरियों की पहचान करने और उसके अनुरूप योजना बनाने में वह सिद्धस्त है। और इस सच्चाई को इजराइल के सुरक्षा बल भलीभांति जानते हैं। इसलिए हमले के असरकारकल होने से हमास की ख़ुशी का ठिकाना नहीं है।हमास के प्रवक्ता गाजी हमद ने कहा है,''हमने यह साबित कर दिया है किज्इजराइल एक ताकतवर देश नहीं है, हम उसे हरा सकते हैं, हम छोटेङ्कछोटे समूहों के जरिए उसे रोक सकते हैं, इसके लिए हमें बड़ी सेना की जरूरत नहीं है, यह हमला और इजराइल की अपेक्षित जवाबी कार्यवाही ङ्क दोनों पिछले कुछ सालों में सबसे बड़े पैमाने पर होंगी। मई 2021 में 11 दिन तक चले इजराइल-गाजा युद्ध को इजराइल ने हमास की ताकत के बारे गलतफहमी का नतीजा माना था। हाल के सालों में इजराइल और गाजा के बीच हुए अन्य तीन टकरावों में फिलिस्तीनी इस्लामिक जेहाद शामिल था, जो अपेक्षाकृत छोटा संगठन है।पर पिछले टकराव कुछ ही दिनों में खत्म हो गए थे। इजराइल की नीति आहिस्ता-आहिस्ता गाजा पर लगाई पाबंदियों को हटाने की रही है। वह दिन में काम करने के लिए 20,000 लोगों को इजराइल आने की अनुमति देता है जो गाजा के लिए बहुत ज़रूरी धन वहां पहुंचाते हैं।इसलिए इजरायली अधिकारियों ने अभी से कहना शुरू कर दिया है कि इस हमले का नतीजा यह होगा कि गाजा के लोगों का जीवनस्तर बेहतर करने के उद्देश्य से लागू की जा रही नीतियां लंबे समय तक ठंडे बस्ते में रहेंगीं। नि:संदेह गाजा कई दशक पीछे चला जायेगा। इजराइल की भी यही स्थिति होगी। इजराइल भी पस्त है। उसके किबुतसीमों और सेडार्ट शहर में बेरोकटोक घूमते फिलिस्तीनी लड़ाकों की फोटो और वीडियो, उसकी सैनिक ताकत की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला रहे हैं। इससे क्षेत्र में सक्रिय हिज़्बुल्लाह जैसे अन्य संगठनों की हिम्मत बढ़ जाएगी। हिज़्बुल्लाह, लेबनान स्थित ईरान-समर्थित शिया आंदोलन है, जो हमास के उन नेताओं की मेजबानी कर रहा है जो गाजा या बेरूत के वेस्ट बैंक में नहीं रहते और जिनका इस हमले की योजना बनाने में भी हाथ हो सकता है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि युद्ध समाप्त होने के बाद नेतन्याहू के नेतृत्व पर सवाल उठेंगे। पिछले नौ महीनों से इजराइल अपने आंतरिक मसलों से जूझ रहा है। उसकी अति-दक्षिणपंथी सरकार अत्यंत विवादग्रस्त संवैधानिक सुधारों को लागू करने का प्रयास कर रही है। कई रिज़र्व सैनिक, जो इन सुधारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में सक्रियता से भाग ले रहे थे, लड़ाई में शामिल होने के लिए आ गए हैं लेकिन वे बीबी पर ऊंगली उठाएंगे। इसी तरह नेतन्याहू के विरोधी, जो अभी उनकी आलोचना करने से परहेज कर रहे हैं, भी चुप नहीं रहेंगे। आज युद्ध का दूसरा दिन है। नेतन्याहू के अति दक्षिणपंथी साथी उन पर गाजा पर निर्णायक हमला करने और शायद दुबारा उस पर पूरी तरह से कब्जा करने का दबाव डालेंगे।

इजराइल पर हमास के इस हमले ने मध्यपूर्व क्षेत्र में चल रही शांतिवार्ताओं पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। कई हफ्तों से दुनिया इजराइल और सऊदी अरब के कूटनीतिक रिश्ते कायम होने के ऐतिहासिक समझौते की प्रतीक्षा कर रही थी। किंतु अब इसमें एक बड़ा 'अगर' बाधा बनकर खड़ा हो गया है। अमेरिका के पूर्व सैन्य एवं गुप्तचर अधिकारियों का मानना है कि हमास के इस समय हमला करने का मुख्य उद्देश्य इजराइल और सऊदी अरब के बीच चल रही वार्ताओं में बाधा डालना है क्योंकि ऐसा लग रहा था कि रियाद, इजराइल के साथ संबंध सामान्य करने के मुहाने पर था। आखिरकार सऊदी हमास को पसंद नहीं करते लेकिन उनके वक्तव्य से यह साफ है कि सऊदी अरब को लग रहा था कि इजराइल में कुछ होने वाला है।

इस क्षेत्र की शांति भंग हो गई है और जंग जारी है। आगे घटनाक्रम क्या स्वरूप लेगा और इसका विश्व राजनीति पर क्या प्रभाव होगा, यह साफ नहीं है।

संपादकीय

समझ अलग-अलग है!

नफरती भाषण क्या है, इसको लेकर देश में एक समूह की जो समझ या परिभाषा है, आज की सत्ताधारी पार्टी की विचारधारा उससे सहमत नहीं है। बल्कि वैसे भाषण उसकी राजनीतिक रणनीति का धारदार हथियार बने हुए हैं। जैसे देश में सियासी ध्रुवीकरण बढ़ने के साथ हर बात पर समझ बंटती चली गई है, वही हाल हेट स्पीच- यानी नफरती भाषण का है। नफरती भाषण क्या है, इसको लेकर एक समूह की जो समझ या परिभाषा है, आज की सत्ताधारी पार्टी की विचारधारा उससे सहमत नहीं है। बल्कि वैसे भाषण उसकी राजनीतिक रणनीति का धारदार हथियार बने हुए हैं। नतीजतन, अक्सर जिसे नफरती भाषण कहा जाता है, सत्ता पक्ष उस पर ध्यान तक नहीं देता। ऐसे में एक गैर-सरकारी संस्था ने नफरती भाषण देने वाले नेताओं की जो सूची तैयार की है, उस पर कार्रवाई तो दूर कोई कोई सार्थक चर्चा भी होगी- इसकी संभावना नहीं है। चुनावी सुधारों पर काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सांसदों और विधायकों के चुनावी हलफनामों में दी गई जानकारी के आधार पर अपनी ताजा रिपोर्ट बनाई है। उसके मुताबिक 33 मौजूदा सांसदों के खिलाफ इस तरह के आरोप दर्ज हैं। इनमें से 22 यानी 66 प्रतिशत सांसद भारतीय जनता पार्टी के हैं। ऐसे दो सांसद कांग्रेस में हैं। एक-एक सांसद कई क्षेत्रीय पार्टियों में हैं। एक निर्दलीय सांसद का नाम भी इस सूची में शामिल है। ऐसे सबसे ज्यादा सात सांसद उत्तर प्रदेश से हैं, जबकि चार तमिलनाडु से, तीन बिहार, तीन कर्नाटक और तीन तेलंगाना से हैं। एडीआर की सूची में 74 विधायकों के नाम भी हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा जन प्रतिनिधि भाजपा के ही सदस्य हैं। इस सूची में भाजपा के 20 विधायक (27 प्रतिशत) हैं। 13 ऐसे विधायक कांग्रेस के, छह आम आदमी पार्टी के, पांच सपा और वाईएसआरसीपी के और बाकी अन्य पार्टियों के हैं। एडीआर ने उचित ही विधि आयोग की मार्च 2017 में जारी हुई एक रिपोर्ट का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया था कि भारत में किसी भी कानून में हेट स्पीच की परिभाषा नहीं दी गई है। यह एक बड़ा कारण है, जिसकी वजह से नफरती भाषणों पर कानूनी कार्रवाई नहीं हो पाती। इसलिए यह जरूरी है कि ऐसे भाषणों के खिलाफ एक सख्त कानून बनाया जाए। लेकिन फिलहाल ऐसा होने की उम्मीद नहीं है। बहरहाल, एडीआर ने एक स्वागतयोग्य योगदान किया है।

जाति गणना पर सीडब्लुसी की बैठक!

कांग्रेस पार्टी बिहार में हुई जाति गणन को गंभीरता से ले रही है और किस तरह से इसका राजनीतिक इस्तेमाल हो सकता है इस पर पार्टी विस्तार से विचार करेगी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस की कार्य समिति यानी सीडब्लुसी की बैठक इस मुद्दे पर हो सकती है। हालांकि बैठक कब होगी और उसका एजेंडा क्या होगा यह पता नहीं है। ध्यान रहे अभी पांच राज्यों में विधानससभा के चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग किसी भी समय इसकी घोषणा कर सकता है। ऐसे में कांग्रेस के सारे नेता प्रचार में लगेंगे या चुनावी कामकाज में व्यस्त हो जाएंगे। सो, उससे पहले ही इस मसले पर बैठक करनी होगी या फिर चुनाव के बाद बैठक होगी।

कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि पार्टी पांच राज्यों के चुनाव में इसका मुद्दा बनाने वाली है। राहुल गांधी अपनी सभाओं में खुल कर जाति गणना का समर्थन कर रहे हैं और वादा कर रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार केंद्र में बनी तो पूरे देश में जाति गणना कराएगी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मसले पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया है और कहा है कि कांग्रेस पहले भी जात-पात पर देश को बांटती थी और अब भी वही पाप कर रही है। इसका मतलब है कि भाजपा की नजर में जाति गणना पाप है। सो, कांग्रेस चुनावों में इसे मुद्दा बना सकती है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का एजेंडा भाजपा को ओबीसी, एससी और एसटी विरोधी साबित करना है। इसके लिए उसके पास दो हथियार हैं। पहला, जाति गणना। बिहार ने इसका रास्ता दिखा दिया है। जिस तरह से छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 77 फीसदी करने का फैसला किया है उसी तरह का ऐलान मध्य प्रदेश में किया जा सकता है। ध्यान रहे मध्य प्रदेश का समाज बहुत गहराई तक धार्मिक समाज है। वहां हिंदुत्व की जड़ें बहुत मजबूत हैं। कांग्रेस के नेता जातियों की गिनती का कार्ड चल कर कांग्रेस उसमें सेंध लगाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस के पास दूसरा मुद्दा महिला आरक्षण का है, जिसमें ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई है। इस आधार पर भी भाजपा को पिछड़ा विरोधी बताने का अभियान चल रहा है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता मान रहे हैं कि कार्य समिति की बैठक करके इन दोनों मामलों में कोई प्रस्ताव पास किया जाए और चुनाव में उसका प्रचार किया जाए तो कांग्रेस को उसका फायदा होगा। हालांकि यह पता नहीं है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और सीएम पद के दावेदार कमलनाथ इसके लिए कितना तैयार होंगे। वे जाति का कार्ड खेलने की बजाय नरम हिंदुत्व के रास्ते पर चल रहे हैं और भाजपा नेताओं से ज्यादा बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के चरणों में लोट लगा रहे हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ दोनों जगह कांग्रेस का पिछड़ा मुख्यमंत्री है। सो, इन राज्यों में कांग्रेस अपना एजेंडा चला सकती है।

साख का क्या होगा?

यह धारणा मजबूत हो गई है कि आरोपी सत्ताधारी पार्टी में चले जाएं, तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई ठहर जाती हैं। फिलहाल, सरकार को ऐसी धारणाओं की परवाह नहीं है। लेकिन यह धारणा जांच एजेंसियों की साख को क्षीण करती जा रही है।

इस हफ्ते मंगलवार को न्यूजक्लिक वेबसाइट और उससे जुड़े कर्मचारी सरकार के निशाने पर आए। अगले दिन आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह के घर पर प्रवर्तन निदेशालय ने ना सिर्फ छापा मारा, बल्कि कथित शराब घोटाले में उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया। और गुरुवार सुबह-सुबह यह खबर आई कि आय कर विभाग तमिलनाडु में स्थित डीएमके सांसद एस जगतरक्षण के 40 से ज्यादा ठिकानों पर दबिश दे दी है। वैसे तो ऐसी कार्रवाइयों का अब लंबा सिलसिला बन चुका है, लेकिन हाल में इनमें काफी तेजी आई दिख रही है। इस तेजी के पीछे कारण या मंशा चाहे जो हो, लेकिन यह तो रोज अधिक साफ होता जा रहा है कि ऐसी कार्रवाइयां देश के एक बड़े जनमत में उतनी ही तेजी से अपनी साख गंवाती जा रही हैं। मुमकिन है कि सरकारी एजेंसियां जो इल्जाम लगा रही हैं, उनमें दम हो। लेकिन यह निर्विवाद है कि इन एजेंसियों को ऐसे इल्जाम सिर्फ विपक्षी नेताओं या सरकार से असहमत मीडिया और गैर-सरकारी संगठनों के मामले में ही नजर आते हैं। यह धारणा मजबूत होती चली गई है कि जिन पर आरोप लगे हों, अगर वे सत्ताधारी पार्टी में चले जाएं, तो फिर कार्रवाइयां भी उसी मुकाम पर ठहर जाती हैं। फिलहाल, सरकार को ऐसी धारणाओं की परवाह नहीं है। लेकिन यह धारणा जांच एजेंसियों की साख को क्षीण करती जा रही है। विपक्ष की तरफ से उनके सरकार का राजनीतिक हथियार होने की बात अब खुल कर कही जाती है और इस पर यकीन करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती चली गई है। संजय सिंह की गिरफ्तारी से ऐसी धारणा और मजबूत होगी। संजय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने व्यापारी दिनेश अरोड़ा को मनीष सिसोदिया से मिलवाया था। अरोड़ा और सिसोदिया इस मामले में अभियुक्त हैं, लेकिन अरोड़ा अब सरकारी गवाह बन चुका है। अब तक जो तथ्य सार्वजनिक हुए हैं, उनसे शराब घोटाले में संजय सिंह की प्रत्यक्ष भूमिका के कोई संकेत नहीं हैं। क्या ऐसे आरोपी की गिरफ्तारी एक सामान्य प्रक्रिया समझी जाएगी? सामान्य दिनों में ऐसा नहीं होता था। लेकिन अभी हम सामान्य समय में नहीं जी रहे हैं।

सार-समाचार

सूरजपुर भारत*आदर्श आचार संहिता में समाचार कवरेज के लिए पत्रकारों को जारी हो पास कृष्ण सिंह बाबा

नन्दू यादव

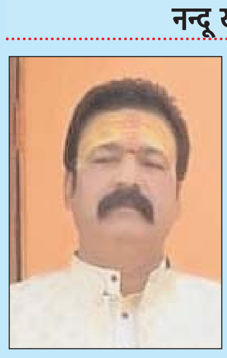

सूरजपुर भारत भास्कर छ ग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के प्रदेश संगठन सचिव कृष्णा सिंह बाबा ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग अशोक रोड नई दिल्ली को पत्र लिखकर कहां है कि आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर समाचार कवरेज करने के लिए पत्रकारों को अलग से पास जारी किया जाए ताकि इन्हें समाचार कवरेज करने में किसी भी प्रकार का कोई दिक्कतों का सामना ना करना पड़े उल्लेख है कि वर्तमान में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तिथि तय कर दी गई है इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी रूप से लागू हो चुका है और पत्रकारो को कई जगह जाकर समाचार कवरेज करना पड़ता है इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सभी पंजीकृत पत्रकारों को अगर पास जारी कर दिया जाए तो इन्हें समाचार कवरेज करने में आसानी होगा छ ग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के प्रदेश संगठन सचिव कृष्णा सिंह बाबा ने मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग अशोक रोड नई दिल्ली को पत्र लिखकर कहां है कि आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर समाचार कवरेज करने के लिए पत्रकारों को अलग से पास जारी किया जाए ताकि इन्हें समाचार कवरेज करने में किसी भी प्रकार का कोई दिक्कतों का सामना ना करना पड़े उल्लेख है कि वर्तमान में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तिथि तय कर दी गई है इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी रूप से लागू हो चुका है और पत्रकारो को कई जगह जाकर समाचार कवरेज करना पड़ता है इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सभी पंजीकृत पत्रकारों को अगर पास जारी कर दिया जाए तो इन्हें समाचार कवरेज करने में आसानी होगी

13 अक्टूबर से 02 दिसम्बर तक है नॉमिनेशन टीम , पोलिंग पर्सन, सेक्टर ऑफिसर, कमीशनिंग टीम इत्यादि का प्रशिक्षण

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर 13 अक्टूबर से 02 दिसम्बर तक विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफल निष्पादन के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के विभिन्न प्रशिक्षण स्थालों में चलाया जायेगा। प्रशिक्षण का विवरण क्रमशः नॉमिनेशन टीम ट्रेनिंग, पोलिंग पर्सन ट्रेनिंग, ट्रेनिंग का निर्वाचन सामग्री दल, ट्रेनिंग का वीडियोग्राफी-फोटोग्राफ्स, माइक्रो ऑब्जर्वर्स ट्रेनिंग, ट्रेनिंग ऑफअसिस्टेंट एक्सपेंडिचर ऑब्जर्व्स, सेक्टर ऑफिसर ट्रेनिंग, कमीशनिंग टीम ट्रेनिंग, पोस्टल बैलट पेपर ट्रेनिंग, डिस्पैच एंड रिसीव टीम ट्रेनिंग, ट्रेनिंग ऑफ काउंटिंग पर्सनल, मॉक ड्रिल काउंटिंग है। जिसमें निर्धारित तिथि के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

विधानसभा आम निर्वाचन-2023 : राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों दी गई सी-विजिल एप और सुविधा पोर्टल की जानकारी

अशोक जैन/ कांकेर । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन-2023 हेतु आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण से संबंधित विभिन्न जानकारियों से अवगत कराने हेतु राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली गई। बैठक में उन्हें भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों से अवगत कराया गया। प्रतिनिधियों को सुविधा एप और सी-विजिल पोर्टल, पेड न्यूज, निर्वाचन व्यय एवं नाम निर्देशन की प्रक्रिया के संबंध में प्रोजेक्टर के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी गई।

अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार ने बैठक में नामांकन, रैली, सभा, सभा स्थल एवं चुनाव प्रचार-प्रसार से संबंधित भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए विभिन्न निर्देशों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन में प्रत्याशियों के लिए 40 लाख रुपए तक की राशि व्यय के लिए निर्धारित की गई है। निर्धारित सीमा से अधिक होने पर कार्यवाही की जाएगी। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सभी प्रतिनिधियों को सी-विजिल एप के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इस ऐप के माध्यम से आदर्श आचरण संहिता के किसी भी प्रकार से उल्लंघन होने की सूचना फोटो, वीडियो एवं ऑडियो के माध्यम से दी जा सकती है। सी-विजिल एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर आयोग द्वारा 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सुविधा पोर्टल के बारे में जानकारी देते हुए इस पोर्टल के माध्यम से नॉमिनेशन, एफिडेविट एवं अनुमति लेने की प्रक्रिया सहित कार्यवाही की निर्धारित अवधि आदि के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में एसडीएम कांकेर श्री मनीष साहू सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों को महीनों से चावल के बजाए खिचड़ी खिलाई जा रही, ग्रामीणों ने किया कार्रवाई की मांग

नन्दू यादव

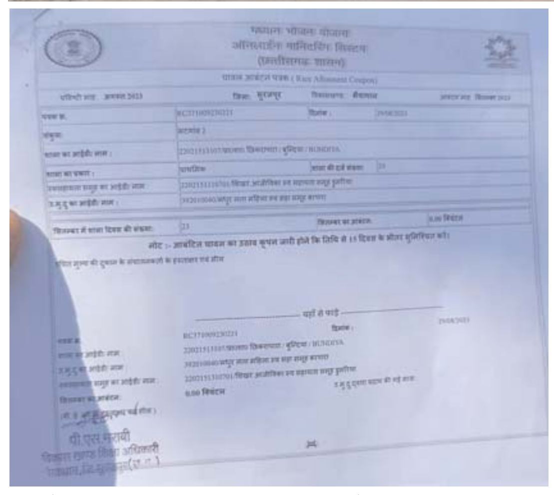

सूरजपुर भारत भास्कर- पाठन की तो बात ही छोड़िए, अब तो मध्याह्न भोजन की भी गारंटी नहीं रह गई है। सूरजपुर जिले के अधिकांश स्कूलों में मध्यान भोजन को लेकर लापरवाही बढ़ती जा रही है। जबकि बच्चों को पौष्टिक आहार देने हेतु मैन्यू भी निर्धारित किया है। लेकिन नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। जिससे स्कूलों पर बच्चों की संख्या लगातार घट रही जा है। मामला भैयाथान विकासखंड अंर्तगत प्राथमिक शाला डुमरिया के छिकरापारा का है। मध्यान भोजन को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आया है। जिसका स्कूल परिसर में जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम वासियों ने जमकर विरोध किया है और गुस्सा पनप रहा है। इस विद्यालय में 32 छात्र-छात्राओ का दर्ज संख्या है। कई दिनों से चावल के बजाय खिचड़ी खिलाये जाने की मामला प्रकाश में आया है। यहां व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है और कई कभी-कभी कई दिनों तक बच्चो को मध्यान्ह भोजन नहीं मिलता। भोजन व्यवस्था अपनी मर्जी से नियम के खिलाफ चला रहे है। संबंधित अधिकारियों का कहना हैं कि हमारे तरफ से चावल पर्ची भेजने में कोई भी लापरवाही नहीं बरती जा रही है, तो फिर गड़बड़ी कहां से हो रही है। इस मामले में सवालिया निशान लग रहा है। डुमरिया के छिकरापारा स्कूल में लगातार एक महीने से बच्चों को खिचड़ी खिलाई जा रही थी। बच्चे घर से टिफिन लाना चालू कर दिए थे और कई बच्चे तो बीमार के शिकार हो गए थे। जब इसकी जानकारी पालकों को लगी तो वे विद्यालय पहुंचकर विरोध किये। विद्यालय में पदस्थ एचएम ने बताया कि चावल के अभाव में खिचड़ी बनाई जा रही थी जून से सितंबर तक जारी किए गए चावल आवंटन पत्र में चावल शून्य था। जिससे राशन का उठाव नहीं हो पा रहा था। जिससे कि वह अपने खर्च और आसपास के सहयोग से खिचड़ी बनवाकर स्कूली बच्चों को भोजन करा रही थी। वहीं इस मामले में मौके पर उपस्थित डुमरिया सरपंच प्रतिनिधि वरुण मरावी ने बताया कि ग्रामीणों और बच्चों ने स्कूल में खिचड़ी खिलाने की शिकायत की थी। सभी ग्राम के जनप्रतिनिधि व पालक स्कूल में उपस्थित हुए तो हमने वहां वास्तव में बच्चों को खिचड़ी खिलाते हुए पाए। जून से सितंबर तक यह स्थिति लगातार बनी रही लेकिन महीना भर से लगातार खिचड़ी खाने से बच्चों की तबीयत बिगड़ रही थी और वह घर से टिफिन लेकर स्कूल आया करते है। इन बच्चों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने की बात आ रही है। यह जांच का विषय है जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई अवश्य होनी चाहिए।

> आपके माध्यम से जानकारी मिली है। मामला गंभीर है, मैंने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को पूरी जानकारी से अवगत करा दी है। तत्काल जांच के लिए निर्देशित किया गया है जांच उपरांत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
>
> **सागर सिंह**
> **एसडीएम, भैयाथान**

कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक हुई संपादित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 90 विधानसभा क्षेत्र के लिए आम निर्वाचन की घोषणा आज कर दी गई है। इसी परिपेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष / प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित रखी थी। जिसमें निर्वाचन की गतिविधियों के संबंध में उपस्थित जनों को जानकारी मुहैया करायी गयी। जिसमें उन्हें बताया कि सूरजपुर जिले में 01 पूर्ण एवं 03 विधानसभा आंशिक है इस प्रकार सूरजपुर जिले में 04 विधानसभा क्षेत्र क्रमश: 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव (300 मतदान केंद्र सूरजपुर जिले एवं 06 मतदान केंद्र सरगुजा जिले के) एवं 06 प्रतापपुर (152 मतदान केंद्र सूरजपुर जिले के एवं 144 मतदान केंद्र बलरामपुर-रामानुजगंज के) तथा विधानसभा क्षेत्र 10 अम्बिकापुर के 01 मतदान केंद्र (03 गेतरा) सूरजपुर में शामिल है। जिले में कुल 728 मतदान केंद्र है। (शहरी 53 ग्रामीण 675) निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 06 प्रतापपुर विधानसभा के सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। शेष विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर एवं 05 भटगांव सामान्य सीट है। इसके साथ ही निर्वाचन के गतिविधियों के तहत निर्वाचन गतिविधियां में निर्वाचन की अधिसूचना का प्रकाशन 21 अक्टूबर 2023, नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2023 तथा नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा का तिथि 31 अक्टूबर 2023, नाम वापसी की अंतिम तिथि 02 नवम्बर 2023, मतदान तिथि 17 नवम्बर 2023, मतगणना की तिथि 03 दिसम्बर 2023 तथा निर्वाचन प्रक्रिया की समाप्ति 05 दिसम्बर 2023 को निर्धारित की गई है। इस बैठक में राजनैतिक दलों के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण टीम को दिया गया प्रशिक्षण

अशोक जैन/ कांकेर। / विधानसभा निर्वाचन 2023 के सुचारू संचालन हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के निर्देश एवं अपर कलेक्टर एस. अहिरवार की उपस्थिति में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण से संबद्ध सभी दलों का जिला कार्यालय के सभा कक्ष में प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें एस.एस.टी., एफएस.टी., वी.एस.टी., वीवीटी एवं लेखा टीम के सदस्य शामिल हुए। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर ने निर्वाचन को पारदर्शिता पूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन के लिए चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने नियमों का पालन करते हुए अपने कर्त्तव्यों को निर्वहन करने के लिए कहा गया।

मास्टर ट्रेनर ने सभी दलों के कार्यों को एक-एक करके विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उड़नदस्ता टीम अवैध नकदी की आवाजाही, शराब का वितरण, मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए या रिश्वत देने या उपहार सामग्री बांटे जाने की सूचना मिलने पर जांच कर विधिवत कार्यवाही करेंगे। यह भी बताया कि 10 हजार से अधिक रूपये से अधिक की राशि का उपहार सामग्री बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के एवं 50 हजार रूपये की नकद राशि मिलने पर विधिवत जब्ती की कार्यवाही तथा पूरी गतिविधि का वीडियो एवं फोटोग्राफी भी करेंगे। एस.एस.टी. टीमों का कार्य नकद राशि, शराब, शस्त्र आदि की, वैधानिक परिवहन की चेक पोस्ट लगाकर निगरानी करने एवं विधि सम्मत कार्यवाही की पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके अलावा यह भी बताया गया कि राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारक अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए अधिकतम एक लाख रुपये लेकर चल सकते हैं, उससे अधिक की राशि रखने पर संबंधित राजनीतिक दल के कोषाध्यक्ष का प्रमाण पत्र रखना आवश्यक है। एफएस.टी एवं एसएसटी टीम द्वारा किये गए कार्यवाही का प्रतिदिन रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में रिटर्निंग ऑफिसर को देंगे, इससे संबंधित विभिन्न प्रपत्रों की जानकारी भी दी गई। इन दलों को सी-विजिल एप के विभिन्न फंक्शनों के बारे में जानकारी दी गई और इस ऐप में आए विभिन्न समस्या के समाधान की विधि भी बताई। 100 मिनट के भीतर समाधान करने के लिए निर्देशित किया गया।

आदर्श आचार संहिता लागू होते ही असामाजिक तत्वों,वारंटीयो पर कसा पुलिस ने शिकंजा

दुर्ग। आचार संहिता लगने के पहले ही दिन दुर्ग पुलिस पुलिस में एक्शन मोड में आ गई है। पुलिस ने पहले ही दिन आर्म्स एक्ट में 6, धारा 151 में 30 , धारा 107.116 में 45 आरोपियो को गिरफ्तार किया तथा जेल भेज दिया। चुनाव आयोग नई दिल्ली के द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के निर्देशों की परिपालन में जिला पुलिस बल दुर्ग द्वारा चुनाव कार्य तथा चुनाव संबंधी जारी दिशा निर्देशों का पालन के संबंध में दिनांक 09/10/2023 को पुलिस कंट्रोल रूम भिलाई जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारीयों, थाना प्रभारियों एवम चौकी प्रभारी की मीटिंग लेकर चुनाव प्रक्रिया एवं चुनाव संबंधी दिशा निर्देशों के पालन करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक दुर्ग शलभ कुमार सिंहा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर संजय कुमार ध्रुव के द्वारा महत्त्वपूर्ण जानकारी देकर फ्लैग मार्च किया गया था, जिसके बाद आचार संहिता लगने के प्रथम दिवस पर शहर के सभी थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर आर्म्स एक्ट सहित प्रतिबंधात्मक कार्रवाई एवं वारंटी अभियान चलाया। जिसमे आर्म्स एक्ट में 6 कार्यवाही धारा 151 जा. फो. में 30, धारा 107,116 जा. फो. में 45 आरोपियों को गिरफ्तार का जेल भेजा गया, उनके साथ ही स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटीयो पर भी कार्रवाई की गई है एवं आबकारी एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी लगातार कार्रवाई तेज की गई है।

ओड़गी के कन्या पूर्व मा. शाला में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुये भटगांव विधान सभा क्षेत्र के विकास खण्ड ओड़गी के कन्या पूर्व माणा में आयोजित स्काउट गाईड प्रशिक्षण में उपस्थित समस्त कर्मचारी एवं अधिकारियों को मतदाता जागरुकता अभियान के तहत् विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी ओड़गी श्री राजीव कुमार सिंह द्वारा शपथ दिलाया गया। इस माध्यम से 100 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य निर्धारित कर जन-जन तक संदेश देने की बात कही तथा लोकतंत्र मतदान करना हर मतदाता का अधिकार है, इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है और देश को नई गति मिलती है। लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में एक-एक मतदाता अहम भूमिका निभाता है। इस महत्व को समझाया गया तथा शपथ दिलाया गया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सूरजपुर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम एवं जिला उपनिर्वाचन अधिकारी प्रियंका वर्मा के निर्देशन में किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री राजीव कुमार सिंह, बी.पी.ओ मोहम्मद महमूद, प्राचार्य प्रदीप कुमार सिंह, जनशिक्षक संजय कुमार पांडेय, स्काउट गाइड के प्रमुख श्री गोवर्धन सिंह, कुजलाल यादव, श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता, एवं विकास खण्ड के अन्य शिक्षक, शिक्षिका शामिल रहें।

पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्वाचन दायित्व पर दिया गया प्रशिक्षण

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 को निर्भीक एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं प्रशिक्षण नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में पुलिस लाईन पर्री सूरजपुर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री पी.सी. सोनी प्राचार्य एवं श्री शंभू प्रसाद निषाद प्राचार्य द्वारा पुलिस अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता की जानकारी दी गई। उन्हें यह बताया गया कि निर्वाचन के दौरान सभी शासकीय सेवक को निष्पक्ष रहना है। शासकीय कर्मचारी को किसी भी चुनावी अभियान, चुनाव प्रचार, चुनावी सभा, चुनावी रैली में भाग नहीं लेना चाहिए। लोक प्रतिनिधित्व 1961 की धारा 28 के के अनुसार सभी अधिकारी कर्मचारी निर्वाचन आयोग के प्रति नियुक्ति पर समझ जाएंगे और आयोग के 1 नियंत्रण, अधीक्षण और अनुशासन के अधीन रहेंगे। सभी पुलिस अधिकारियों को आयोग द्वारा घोषित निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी दी गई। मतदान केन्द्र में हकदार कौन-कौन से व्यक्ति हैं, उनके आचरण, व्यवहार के बारे में बताया गया। मतदान केन्द्र से 100 मीटर की परिधि पर मतयाचना, निर्वाचन प्रचार नहीं की जा सकती। इस परिधि में कोई भी व्यक्ति अस्त्र-शस्त्र लेकर नहीं आ सकता। अभ्यर्थियों के बूथ मतदान केन्द्र से 200 मीटर के परिधि के बाहर रहेंगे जिसमें 01 टेबल, 02 कुर्सियां एवं एक छोटा तिरपाल होगा। मतदाताओं को दिये जाने वाले पर्ची मे अभ्यर्थी का नाम एवं निर्वाचन प्रतीक नही होगा। कोई भी मतदाता मोबाइल लेकर मतदान केन्द्र के अन्दर प्रवेश नहीं कर सकेगा। मतदान केन्द्र में 80 से अधिक आयु के बुजुर्ग मतदाता दिव्यांग मतदाता, गर्भवती महिलाओं को मतदान केन्द्र में प्रवेश देने में प्राथमिकता रहेगी। मतदान केन्द्र में मतदाता के पहचान मतदाता फोटोयुक्त पहचान पत्र (ईपीक) मुख्य दस्तावेज के माध्यम से होगी इसके अलावा आयोग द्वारा 12 अन्य दस्तावेज निर्धारित किये है- आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक/ पोस्ट ऑफिस का फोटोयुक्त पासबुक, श्रम विभाग द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसद, विधायक को जारी कार्यालयीन पहचान पत्र एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्धारित किया है। मतदान समाप्ति के समय मतदान केन्द्र में सभी उपस्थित मतदाताओं को पीठासीन अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित टोकन वितरण किया जाएगा जिसकी शुरुआत पंक्ति के अंतिम व्यक्ति से होगी। इस समय पुलिस कर्मचारियों के कार्य को उन्हें बताया गया जिससे मतदान केन्द्र में शांतिपूर्वक मतदान की प्रक्रिया सम्पन्न हो सके। पुलिस कर्मचारियों को क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस प्रशिक्षण में अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक श्री शोभराज अग्रवाल, जिला उप पुलिस अधीक्षक, विभिन्न थाना के थाना प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक एवं पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे।

इजराइल और हमास के बीच हो रही बम बारी में अब तक दो हजार की मौत

यरुशलम, एजेंसी।

इजराइल और हमास के बीच हो रही बम बारी में अब तक दो हजार से अधिक लोगों की मौत होने की खबर है। हालांकि अधिकारियों द्वारा यह संख्या लगभग एक हजार के आसपास ही बताई गई है। जबकि सैकड़ों घायल अस्पताल में भर्ती हैं। जिसमें से कई लोग गंभीर रुप से घायल हुए है उन्हे बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इज़रायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने मंगलवार को बताया कि इजरायली सरकार के अधिकारियों ने सिन्हुआ से कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि बचावकर्मी अभी तक दक्षिणी इजरायल के कुछ इलाकों में नहीं पहुंचे पाए हैं, जहां शनिवार को हमला करने वाले हमास आतंकवादी अभी भी इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अस्पतालों में घायलों की संख्या बढ़कर 2,616 हो चुकी है, जिनमें से 25 की हालत गंभीर है। गाजा में आतंकवादी समूहों के अनुसार, फिलिस्तीनी एन्क्लेव में लगभग 130 इजरायली बंधकों को रखा गया है।

इसी तरह फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, गाजा पर इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम 560 लोग मारे गए हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के नए अपडेट के अनुसार, गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में मरने वालों और घायलों की संख्या बढ़कर क्रमशः 687 और 3,726 हो गई है। फिलिस्तीनी इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) ने शनिवार को गाजा पट्टी से सटे इजरायली शहरों पर एक आश्चर्यजनक हमला किया, जिसके बाद इजरायल ने गाजा पर जवाबी हमले शुरू कर दिए। हमले के दौरान, हमास के उग्रवादियों ने गाजा पट्टी को इजराइल से अलग करने वाली सुरक्षा बाड़ को तोड़ दिया और आसपास के समुदायों पर हमला कर दिया, इजराइलियों को मार डाला और कब्जा कर लिया। वहीं दूसरी तरफ जानकारों का कहना है कि गाजा पट्टी पूरी तरह से इजराइल पर निर्भर है इससे गाजापट्टी के लोगों की समस्याएं और ज्यादा बढ़ेगी।

ईडी ने चीनी फोन निर्माता कंपनी वीवो के खिलाफ की कार्रवाई

लावा कंपनी के एमडी सहित 4 लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।

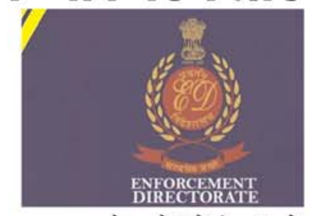

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने चीनी फोन निर्माता कंपनी वीवो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने धन-शोधन निवारण अधिनियम के तहत लावा इंटरनेशनल कंपनी के एमडी और एक चीनी नागरिक सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। मालूम हो कि ईडी ने नौ अक्टूबर को आरोपियों के परिसरों पर छापेमारी कर 10 लाख रुपये से अधिक की नकदी जब्त की थी।

ईडी ने 10 लाख नकदी किया था बरामद

मालूम हो कि ईडी ने नौ अक्टूबर को आरोपियों के परिसरों पर छापेमारी कर 10 लाख रुपये से अधिक की नकदी जब्त की थी। ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान चीनी नागरिक गुआंगवेन क्यांग उर्फ एंड्रयू कुआंग, लावा इंटरनेशनल के एमडी हरिओम राय, चार्टर्ड अकाउंटेंट राजन मलिक, और नितिन गर्ग के रूप में की गई है। मालूम हो कि ईडी ने 3 फरवरी, 2022 को मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच शुरू किया था

महात्मा गांधी ने जहां से शुरू की थी वकालत अब उसी जगह उनकी प्रतिमा का हुआ अनावरण

जोहानेसबर्ग, एजेंसी।

साल 1990 तक यह जगह तबाह हो चुकी थी और यहां मौजूद मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे और यहां बड़ी-बड़ी घास उगी हुई थी। महात्मा गांधी रिमेंबरेंस ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष मोहन हीरा (84 वर्षीय) ने टॉलस्टॉय फार्म को फिर से पुनर्उद्धार किया। दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में महात्मा गांधी की आठ फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया है। इस प्रतिमा का अनावरण टॉलस्टॉय फॉर्म में हुआ। गौरतलब है कि 20वीं सदी की शुरुआत में जोहानेसबर्ग की इसी जगह से महात्मा गांधी ने अपने वकालत के करियर की शुरुआत की थी। महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण दक्षिण अफ्रीका में भारत के राजदूत प्रभात कुमार ने किया।

टॉलस्टॉय फार्म में महात्मा गांधी ने बिताए पांच-छह साल

महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर भारतीय राजदूत प्रभात कुमार ने कहा कि यह प्रतिमा महात्मा गांधी के जीवन के उस समय की याद दिलाती है, जब वह दक्षिण अफ्रीका छोड़कर गए थे। यह टॉलस्टॉय फार्म के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जहां महात्मा गांधी पांच-छह साल रहे। बता दें कि महात्मा गांधी साल 1910 से लेकर 1914 के बीच टॉलस्टॉय फार्म इलाके में रहे थे।

मोहन हीरा ने किया पुनर्उद्धार

साल 1990 तक यह जगह तबाह हो चुकी थी और यहां मौजूद मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे और यहां बड़ी-बड़ी घास उगी हुई थी। महात्मा गांधी रिमेंबरेंस ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष मोहन हीरा (84 वर्षीय) ने टॉलस्टॉय फार्म को फिर से पुनर्उद्धार किया। मोहन हीरा को उनके प्रयासों के लिए इस साल जनवरी में प्रवासी भारतीय अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। मोहन हीरा का कहना है कि अब महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के बाद उनकी अगली कोशिश इस जगह को आत्मनिर्भर बनाने की होगी ताकि यहां के लोग आत्मनिर्भर बनकर गरीबी से निकल सकें।

चीनी दूतावास में टक्कर मारने वाले कार चालक की पुलिस गोलीबारी में मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में चीनी वाणिज्य दूतावास में कार से टक्कर मारने वाले शख्स की गोलीबारी में मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार एक कार चालक को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस सार्जेंट कैथरीन विंटर्स ने मीडिया को बताया कि अधिकारियों ने चीनी मिशन में घुसे कार चालक से संपर्क किया, जिसके बाद दोनों पक्षों ने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध की जान बचाने की हरसंभव कोशिश की गई, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दूतावास क्षेत्र में दोपहर तीन बजे के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर जनता से इस इलाके से दूर रहने का आग्रह किया। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित वीडियो में एक वाहन को चीनी वाणिज्य दूतावास की इमारत में टक्कर मारते देखा जा सकता है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वीजा कार्यालय से एक कार को टकराते हुए देखा गया, जिसके बाद इमारत के सामने वाले हिस्से की घेराबंदी कर दी गई। विंटर्स के मुताबिक, उन्हें यह नहीं पता है कि वाहन इमारत से क्यों टकराया और उस समय कितने लोग उसके अंदर थे, लेकिन इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय और चीनी वाणिज्य दूतावास के जांचकर्ताओं के साथ पुलिस घटना की तफ्तीश में जुटी है।

इजराइल ने मांगी अमेरिका से मदद, घातक गोला-बारूद की पहुंचाई खेप

सैन्य रशद को तत्काल किया रवाना, अन्य आतंकी समर्थकों को रोकने का प्लान

वाशिंगटन, एजेंसी।

हमास के आतंकी हमलों के बाद इजराइल ने अमेरिका से मदद मांगी है। बदले में अमेरिका ने भी तत्काल घातक एयरक्राफ्ट कैरियर में गोला-बारूद लादकर रवाना कर दिया है। अमेरिका का यह कदम इजराइल के लिए इसलिए भी उठाया जा रहा है ताकि अन्य आतंकी समर्थक देशों के हमलों को रोका जा सके। बता दें कि इजराइल और हमास आतंकियों के बीच भीषण जंग छिड़ी हुई है। दोनों ओर से हमले जारी हैं। इस जंग की शुरुआत हमास के आतंकियों ने की थी जिसके बाद इजरायल ने जबरदस्त पलटवार किया। मिली जानकारी के अनुसार इजरायल ने हमास आतंकियों के कई ठिकानों को तबाह कर दिया। इस बीच इजराइल ने अमेरिका से भी हथियारों की मदद मांगी है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा है कि वह इजराइल को घातक गोला बारूद भेज रहा है। इस दौरान अमेरिका का सबसे घातक एयरक्राफ्ट कैरियर भी इजराइल के पास पहुंच रहा है। जानकारी के मुताबिक बाइडेन प्रशासन अमेरिकी सैन्य भंडार से लगभग 100 मिलियन डॉलर मूल्य का गोला-बारूद इजराइल को हस्तांतरित करने पर विचार कर रहा है। ईरान, हिज्बुल्ला और सीरिया के हमले के खतरे के बीच अमेरिका ने महाविनाशक युद्धपोत यूएसएस गेरार्ल्ड फोर्ड और 5 गाइडेड मिसाइल क्रूजर तथा डेस्ट्रॉयर भेजे हैं।

बताया जा रहा है कि ये सभी अभी भूमध्यसागर में हैं। अब इन्हें इजराइल के पास भेजा जा रहा है। यही नहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा है कि अमेरिका अपने घातक फाइटर जेट और हमलावर विमानों को इस इलाके में बढ़ा रहा है ताकि क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा दिया जा सके। उनके मुताबिक, यह बताता है कि अमेरिका, इजराइल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इससे पहले जो बाइडेन और इजराइल के पीएम नेतन्याहू के बीच रविवार को बातचीत हुई थी और सैन्य रशद को तत्काल रवाना कर दिया गया था। इजराइल अपने आयरन डोम सिस्टम के लिए अमेरिका से मिसाइलें मांग रहा है। इसके अलावा गोला बारूद भी इजरायल ने अमेरिका से मांगे हैं।

अमेरिका ने कहा है कि सेना की तैनाती का उद्देश्य ईरान, सीरिया और अन्य देशों या आतंकी गुटों को इस भीषण संघर्ष में शामिल होने से रोकना है। इसके अलावा अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए पर्याप्?त युद्धपोत मुहैया कराना है। गौरतलब है कि फलस्तीनी आतंकी समूह हमास द्वारा इजराइल पर किए रॉकेट हमलों में सैंकड़ों लोगों की मौत हो गई है। मौत का आंकड़ा 1100 के पार पहुंच गया है। इस बीच इजराइल ने आधिकारिक रूप से युद्ध की घोषणा कर दी है। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई में हमास के 400 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए हैं। इजराइल ने ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स की घोषणा के साथ जवाबी कार्रवाई की है।

राज्यसभा से निलंबन पर आप नेता राघव चड्ढा ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया था। जिसे लेकर चड्ढा ने सर्वोच्च न्यायालय का रूख किया हैं। आप नेता को 11 अगस्त को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। राघव के खिलाफ 4 सांसदों ने विशेष अधिकार के उल्लंघन को लेकर शिकायत की थी। जिसके बाद उन्हें निचली प्रतिनिधि सभा से निलंबित किया गया था। 11 अगस्त को राघव चड्ढा को दिल्ली सेवा विधेयक को लेकर पांच सांसदों ने फर्जी हस्ताक्षर के आरोप में राज्यसभा से सस्पेंड किया गया है। इससे पहले आप नेता संजय सिंह को हंगामा करने और चेतावनी देने के बावजूद अनुशासन में नहीं रहने पर सभापति ने निलंबित कर दिया था। संजय के निलंबन अवधि को बढ़ा दिया गया है। जिनके हस्ताक्षर राघव चड्ढा ने अपने लेटर में दिखाए थे। उनमें से पांच सांसदों का कहना था कि दिल्ली सेवा विधेयक को उनकी सहमति के बिना सिलेक्ट कमेटी को भेजने के प्रस्ताव पर उनके नाम का जिक्र किया गया। यह प्रस्ताव राघव ने पेश किया था। इस प्रस्ताव का विरोध बीजेपी के तीन सांसदों ने किया। वहीं, एक बीजद और एक अन्नाद्रमुक सांसद भी शामिल हैं। इस मामले पर गृहमंत्री अमित शाह ने जांच की मांग की थी। जांच का आदेश की रिपोर्ट आने तक राघव चड्ढा को सस्पेंड कर दिया गया। आप नेता ने इसे चुनौती दी है। वहीं, राघव ने बंगला विवाद मामले पर बयान दिया है। उन्होंने कहा, एजेंसियों को विपक्ष पर द्वेष और बदले की भावना से छोड़ा जाता है, ताकि कोई भी बीजेपी के खिलाफ आवाज ना उठाए पाए। जब से इंडिया बना है। तब से इन एजेंसियों द्वारा की जाने वाली रेड लगातार बढ़ती जा रही है।

हिमाचल में बर्फबारी, मनाली-लेह हाईवे बंद फंसे लोगों को केलांग में ही रुकने की सलाह

शिमला, एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों पर बीती रात बर्फबारी हुई। इसके बाद मनाली-लेह हाईवे बंद हो गया है। क्षेत्र में फंसे लोगों को केलांग में ही रुकने की सलाह दी गई है। ताजा बर्फबारी के बाद मनाली से भी आज बारालाचा व शिंकुला के लिए टूरिज्म की बसें भी नहीं भेजी जाएंगी। सूचना के अनुसार, बारालाचा, शिंकुला, कुंजम, रोहतांग में सात-सात इंच, जिसपा में एक इंच और लाहौल स्पीति के आखिरी गांव दारचा में भी दो इंच से ज्यादा ताजा हिमपात हुआ। हाईवे पर इससे फिसलन बढ़ गई है। ऐसी सड़क पर सफर करना जोखिम भरा हो गया है। उधर, चंबा के भरमौर तथा रोह?् के चांशल में भी सीजन का पहला हिमपात हुआ।

पर्यटन सीजन पकड़ेगा रफ्तार

ऊंची चोटियों पर सफेद चांदी बिछने के बाद क्षेत्र में ठंड जरूर बढ़ी है, लेकिन इससे आने वाले दिनों में पर्यटन सीजन और रफ्तार पकड़ेगा। देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटक बीते आठ से 10 दिनों के दौरान बारालाचा, शिंकुला, दारचा, जिसपा आदि स्थानों पर बर्फ को देखने पहुंच रहे हैं। लाहौल स्पीति की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी के बाद मनाली के पर्यटन कारोबारियों को अच्छे कारोबार की आस बंध गई है, क्योंकि मनाली आने वाले अधिकतर पर्यटक लाहौल स्पीति के अलग अलग क्षेत्रों में बर्फ देखने जरूर पहुंचते हैं।

ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी, अन्य क्षेत्रों में बारिश

लाहौल स्पीति की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। वहीं प्रदेश के अन्य भागों में बीती रात बारिश हुई। शिमला के अलावा बिलासपुर, ऊना, किन्नौर, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा और ऊना के कई क्षेत्रों में रात में बारिश के बाद तापमान में कमी आई है। इससे खासकर ऊंचे क्षेत्रों में सुबह शाम हल्की ठिठुरन बढ़ी है। ऐसे में मैदानी राज्यों से जो व्यक्ति पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहा हैं, उन्हें गर्म कपड़े के साथ ही घर से निकलना चाहिए। ऊना में बीती रात सबसे ज्यादा 15.8 मिलीमीटर, भरमौर में 14.3 मिलीमीटर, शिमला में 6.2, भुंतर 7.8, पालमपुर 7.4 और बिलासपुर 5.4 मिलीमीटर बारिश हुई।

केलांग का तापमान 1.1 डिग्री तक लुढ़का

बर्फबारी-बारिश के बाद प्रदेश के सभी शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। केलांग न्यूनतम तापमान गिरकर 1.1 डिग्री, मनाली का 7 डिग्री, शिमला का 9 डिग्री, नारकंडा 4.4, कुफरी 5.5 और कुकुमसैरी का पारा गिरकर 3.3 डिग्री रह गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान कुफरी के न्यूनतम तापमान में सबसे ज्यादा 8 डिग्री, नारकंडा के 7 डिग्री और शिमला के न्यूनतम तापमान में 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

आज भी बारिश-बर्फबारी के आसार

मौसम विभाग की माने तो आज भी प्रदेश के कुछ एक स्थानों पर बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान है। कल और परसों दो दिन मौसम साफ रहेगा, लेकिन 13 अक्टूबर से फिर अगले दो दिन के लिए बारिश-बर्फबारी के आसार बन रहे हैं।

एनआईए कोर्ट ने अदनान हसन को दोषी ठहराया आतंकी बनने के लिए लोगों को करता था प्रेरित

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने आईएसआईएस अबू धाबी मॉड्यूल से संबंधित मामले में आरोपी अदनान हसन को दोषी ठहराया है। अदालत ने उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया है। एनआईए ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एनआईए ने कहा, यह मामला तीन भारतीय नागरिकों शेख अजहर अल इस्लाम सत्तार शेख, मोहम्मद फरहान मोहम्मद रफीक शेख और अदनान हसन की आपराधिक साजिश से जुड़ा है। ये लोग प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के सदस्य हैं। उनकी साजिश का उद्देश्य आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए अतिसंवेदनशील युवाओं की पहचान करना, प्रेरित करना, कट्टरपंथी बनाना, भर्ती करना और प्रशिक्षित करना था। एनआईए ने कहा, जांच में पता चला है कि आरोपी अदनान हसन ने आईएसआईएस में शामिल होने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए पोस्ट, समाचार लेख, टिप्पणियां, वीडियो, चित्र और इस्लामी विद्वानों की टिप्पणी सहित विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों और तरीकों का इस्तेमाल किया। उसने आरोपी अब्दुल्ला बासित और अन्य सहयोगियों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की। आतंक रोधी एजेंसी ने आगे कहा, आरोपी अदनान हसन को आईएसआईएस के साथ संबंध रखने और भारत में इसकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए 29 जनवरी 2016 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद सबूतों के आधार पर एनआईए की विशेष अदालत, नई दिल्ली के समक्ष यूएपीए और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत आरोपी अदनान हसन के खिलाफ 25 जुलाई 2016 को एक आरोप पत्र दायर किया गया था।

यूरोप में फिज और एसी पर पाबंदी लगाने की तैयारी

पर्यावरण और इंसानों के लिए होते है खतरनाक

लंदन, एजेंसी।

यूरोप में एयरकंडीशनर और फ्रिज पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, हाइड्रोफ्लोरोकार्बस पर्यावरण और लोगों की सेहत को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। लिहाजा, यूरोपीय संघ में बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैसों में शामिल हाइड्रोफ्लोरोकार्बस गैसों को फेज आउट करने पर संधि समझौता हुआ है। यूरोपीय संघ के सभी 27 सदस्य साल 2050 तक इन गैसों के इस्तेमाल पर पूरी पाबंदी लगाने पर सहमत हुए हैं। इन गैसों का हीटिंग और कूलिंग उपकरणों के अलावा फोम में भी इस्तेमाल किया जाता है। फ्लोरीन और हाइड्रोजन के परमाणुओं से बनाई गई हाइड्रोफ्लोरोकार्बस गैसें धरती को सूर्य के विकिरण से बचाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंचाती हैं।

यूरोप में 2023 की शुरुआत से ही फ्लोरिनेटेड गैसों के इस्तेमाल को धीरे-धीरे बंदर करने की शुरुआत की जा चुकी है। इन गैसों को हाइड्रोफ्लोरोकार्बस, परफ्लोरोकार्बस, सल्फर हेक्साफ्लोराइड और नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड 'एफ गैसों' में ही आती हैं। बता दें कि एफ गैसें एल्?युमिनियम प्रोसेसिंग के समय भारी मात्रा में बनती हैं। इनका इस्तेमाल एयरकंडीशनर, रेफ्रिजेरटर, हीट पंप, एयरोसोल्स और प्रेशर स्प्रे में किया जाता है। एफ गैसें अन्य ग्रीनहाउस गैसों के मुकाबले ज्यादा तापमान सोखती हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, एफ गैसें हमारे वायुमंडल में करीब 50,000 साल तक बनी रह सकती हैं। एफ गैसों को लेकर आमतौर पर ज्?यादा चर्चा नहीं होती है। हालांकि, जलवायु पर इनका काफी बुरा असर पड़ता है। रेफ्जिरेटर और एयर कंडीशनर में क्लोरो-फ्लोरो कार्बन या सीएफसी का इस्?तेमाल किया जाता है। ये गैस ओजोन परत को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। सीएफसी से निकलने वाली क्लोरीन गैस ओजोन के तीन ऑक्सीजन परमाणुओं में से एक के साथ रिएक्शन करती है। बता दें कि क्लोरीन का एक परमाणु ओजोन के 1,00,000 अणुओं को खत्म करता है। नतीजतन ओजोन परत लगातार पतली होती रहती है। धरती से 30 मील ऊपर तक का क्षेत्र हमारा वायुमंडल होता है। ओजोन लेयर की खोज 1913 में फ्रेंच वैज्ञानिक फैबरी चार्ल्स और हेनरी बुसोन ने की थी। ब्रिटेन के मौसम विज्ञानी जीएमबी डोबसन ने नीले रंग की गैस से बनी ओजोन परत के गुणों का विस्तार से अध्ययन किया। डोबसन ने 1928 से 1958 के बीच दुनियाभर में ओजोन परत के निगरानी केंद्रों का नेटवर्क स्थापित किया। ओजोन की मात्रा मापने की इकाई डोबसन को जीएमबी डोबसन के सम्मान में ही शुरू किया था।वैज्ञानिकों का कहना है कि ओजोन परत को होने वाले नुकसान के कारण पराबैंगनी किरणों के सीधे धरती पर पहुंचने से समुद्री जीवों को भी खतरा पैदा हो जाएगा। नासा के मुताबिक, ओजोन परत में उत्तरी अमेरिका के आकार से भी बड़ा छेद हो गया है, जो काफी चिंताजनक है।

सिक्किम के उत्तरी क्षेत्र में सेना ने तेज किया बचाव कार्य, फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

गंगटोक, एजेंसी।

उत्तरी सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में फंसे पर्यटकों को निकालने का काम सशस्त्र बलों ने मंगलवार को दूसरे दिन मौसम साफ रहने के साथ फिर से शुरू कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर सबसे ज्यादा प्रभावित मंगन जिले के लाचुंग और लाचेन कस्बों में फंसे पर्यटकों को हवाई मार्ग से निकालने के लिए और उड़ानें भरेंगे।

लाचुंग और लाचेन से लगभग 95 फंसे हुए लोगों को हेलिकॉप्टर से लाया गया। लाचुंग के पहले समूह में 17 पर्यटक और लाचुंग गांव के दो स्थानीय लोग शामिल थे। हेलिकॉप्टरों ने सुबह क्षेत्र के लिए दो उड़ानें भरीं। लाचुंग से लोगों को गंगटोक के पास पाकयोंग हवाई अड्डे पर लाया जा रहा था। दो बच्चों सहित 76 फंसे हुए लोगों के पहले बैच को तीन उड़ानों में हेलीकॉप्टरों द्वारा लाचेन से निकाला गया था। उन्हें मंगन के रिंगिम हेलीपैड में लाया गया। मंगन के जिला मजिस्ट्रेट हेम कुमार छेत्री ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने वर्तमान में तीन हेलीकॉप्टरों को कार्रवाई में लगाया है, जिनमें से दो हेलीकॉप्टर लाचेन और एक लाचुंग के लिए उड़ान भर रहे हैं। छेत्री ने कहा कि फिलहाल पर्यटकों और बीमार लोगों को निकालना जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

अब तक 700 से अधिक लोगों को बचाया गया

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यटकों को सिलीगुड़ी और गंगटोक की यात्रा में मदद के लिए एसएनटी बसों की व्यवस्था की है। वहीं सोमवार को लाचेन और लाचुंग से 360 से अधिक पर्यटकों को निकाला गया। डीएम ने कहा कि अब तक कुल 700 से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाला गया है और सुरक्षित लाया गया है, इन लोगों में पर्यटक, स्थानीय लोग और मजदूर शामिल हैं जो चुंगथांग जैसे क्षेत्रों में फंस गए थे जहां निकासी के लिए आपातकालीन स्थिति के लिए एक बेली ब्रिज बनाया गया था।

लाचुंग में बीएसएनएल टेलीफोन की लाइनें हुई बहाल

डीएम ने यह भी कहा कि बचाव और पुनर्वास टीमें पहले ही प्रभावित इलाकों में पहुंच चुकी हैं और जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि लाचुंग में बीएसएनएल टेलीफोन लाइनें बहाल कर दी गई हैं और आज शाम तक लाचेन और चुंगथांग में भी टेलीफोन कनेक्टिविटी बहाल कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग में भी बिजली आज शाम तक बहाल कर दी जाएगी।

सार-समाचार

सहायक प्रबंधक एवं कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग की भर्ती परीक्षा 15 अक्टूबर को, जिले के 4141 परीक्षार्थी होंगे शामिल

उत्तर बस्तर कांकेर/ छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 15 अक्टूबर दिन रविवार को प्रथम पाली में प्रात: 10 से 12.15 बजे तक सहायक प्रबंधक (फील्ड ऑफिसर) कार्यालय सहायक, सामान्य सहायक, समिति प्रबंधक (नवीन सवंर्ग) एवं द्वितीय पाली में दोपहर 2 से सायं 4.15 बजे तक कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग (ट्रेजरी विशेषज्ञ, मुख्य लेखापाल), उप प्रबंधक और सहायक प्रबंधक भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा में जिला अंतर्गत प्रथम पाली में लगभग 3646 एवं द्वितीय पाली में 495 परीक्षार्थी, इस तरह जिले के कुल 4141 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा उक्त परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री अशोक कुमार मारबल (मोबाईल नम्बर 94255-84600) को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक शिक्षा श्री लक्ष्मण कावड़े को सहायक नोडल अधिकारी (मोबाईल नम्बर 79749-97827) नियुक्त किया गया है। बताया गया कि भर्ती परीक्षा के लिए जिले में 11 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं, जिनमें शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर, शासकीय इंदरू केंवट कन्या कॉलेज भीरावाही अलबेलापारा कांकेर, शासकीय पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा हायर सेकेण्डरी स्कूल गोविन्दपुर कांकेर, सेंट माईकल हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदपुर, शासकीय नरहरदेव हायर सेकेंडरी स्कूल कांकेर, शासकीय महिला आईटीआई कांकेर, डाईट कांकेर, कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल लट्टीपारा, शासकीय कन्या हाई स्कूल मांझापारा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिदेसर और शासकीय हाई स्कूल शीतलापारा कांकेर शामिल हैं। इसी तरह द्वितीय पाली हेतु शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर को परीक्षा केन्द्र स्थापित किया गया है।

नरहरपुर ब्लॉक के दुर्गम क्षेत्र में स्थित मतदान केन्द्रों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया दौरा

बीहड़ इलाकों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने बीएलओ व ग्रामीणों को किया प्रोत्साहित

कांकेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झुलनातेंदू, रावस, छिंदखड़क और खल्लारी पहुंचीं डॉ. शुक्ला

अशोक जैन/कांकेर। विधानसभा चुनाव 2023 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के मतदाताओं की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने और मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने नरहरपुर विकासखण्ड के बीहड़ क्षेत्र में स्थित ग्राम झुलनातेंदू, रावस, छिंदखड़क और खल्लारी में जाकर इन ग्रामों की मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाने व विलोपित किए जाने की जानकारी ली। उन्होंने इन मतदान केन्द्रों में ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने के लिए के बीएलओ को प्रोत्साहित एवं प्रेरित किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शुक्ला आज दोपहर को बीहड़ जंगलों से होकर ग्राम झुलनातेंदू स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 229 पहुंचीं, जहां पर उन्होंने बीएलओ से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने आदि की जानकारी ली। इसके अलावा केन्द्र में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में पूछा। साथ ही ग्रामीणों से कहा कि वे मतदान करने पोलिंग बूथ में जरूर जाएं, क्योंकि इसी से स्वस्थ व स्वच्छ लोकतंत्र की नींव मजबूत होती है। ग्राम के पटेल श्री नेताम में कलेक्टर को आश्वस्त किया कि ग्रामीण वोट देने अवश्य आएंगे। इसके उपरांत वे दुर्गम क्षेत्र में स्थित ग्राम रावस के पोलिंग बूथ क्रमांक 234 में जाकर बीएलओ से कहा कि जिस प्रकार उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में काफी मेहनत की, उसी तरह मतदान दिवस 07 नवम्बर को प्रत्येक वोटर्स को वोटिंग करने जरूर लेकर आएं। इस कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को सम्मानित करने के निर्देश जिला पंचायत के सी.ई.ओ. श्री सुमीत अग्रवाल को दिए।

तदुपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शुक्ला ग्राम छिंदखड़क के केन्द्र क्रमांक 232 और ग्राम खल्लारी स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 225 में जाकर बीएलओ, ग्रामीणों को प्रोत्साहित करते हुए भारत निर्वाचन आयोग की मंशानुसार शत-प्रतिशत मतदान करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं से रू-ब-रू होकर शिक्षित होकर बेहतर भविष्य गढ़ने हेतु उन्हें प्रोत्साहित किया।

विधानसभा आम निर्वाचन-2023

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन संपन्न कराने कलेक्टर-एसपी ने ली अधिकारियों की बैठक

अशोक जैन

कांकेर। विधानसभा आम निर्वाचन के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचरण संहिता लागू कर दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला तथा एस.पी श्री दिव्यांग पटेल ने निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिये।

कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आज दोपहर 1.30 बजे आयोजित बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के प्रभावी होते ही सभी अधिकारी-कर्मचारी चुनाव आयोग के अधीन हो गये हैं। अत: शासकीय सेवकों को कोई ऐसा कृत्य नहीं करना चाहिए, जिससे आयोग के नियमों एवं निर्देशों का उल्लंघन हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी निरपेक्ष एवं स्वतंत्र होकर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत प्रारंभिक कार्यवाहियां शुरू कर दी गई हैं। प्रचार-प्रसार हेतु शासकीय, सार्वजनिक एवं निजी स्थलों में लगाए गए होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, कटआउट आदि को नियमानुसार क्रमश: 24, 48 एवं 72 घंटे के भीतर हटाये जाने की कार्यवाही मैदानी अमलों के द्वारा की जा रही है। इसी तरह कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, अस्त्र-शस्त्र अनुज्ञप्ति संबंधी अधिनियम, धारा-144 लागू जैसे विभिन्न नियम एवं अधिनियम प्रभावी हो चुके हैं। साथ ही एफएसटी, व्हीएसटी, व्हीव्हीटी, एसएसटी, एलएमटी, एमसीएमसी सहित अलग-अलग समितियां आचार संहिता के लागू होते ही प्रभावी हो गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को फोन कॉल अनिवार्य रूप से रिसीव करने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी बताया कि 13 से 20 अक्टूबर तक नाम निर्देशन की कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर बताया कि आयोग के निर्देशानुसार नाम निर्देशन के दौरान अभ्यर्थी सहित पांच व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के शत-प्रतिशत मतदाताओं को मतदान कराने के लिए लगातार प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के निर्देश सभी अनुविभागीय अधिकारियों को दिये। साथ ही 80 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं को प्राथमिकता के क्रम में वोटिंग करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने आदर्श मतदान केन्द्रों में आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश स्वीप के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के सीईओ श्री सुमीत अग्रवाल को दिये। इसके अलावा निर्वाचन ड्यूटी में संलग्न सभी अधिकारियों को सी-विजिल एप्प तथा सुविधा पोर्टल में पंजीयन कराने के निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर ने अनुभागवार विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति के बारे में समीक्षा की। एसपी श्री पटेल ने बैठक में उपस्थित एसडीओपी तथा पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिये।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर एस अहिरवार, सहायक कलेक्टर श्री प्रखर चन्द्राकर, एसडीएम कांकेर मनीष साहू, भानुप्रतापपुर श्री प्रतीक जैन, संयुक्त कलेक्टर आस्था राजपूत सहित पुलिस एवं राजस्व सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण टीम को दिया गया प्रशिक्षण

अशोक जैन

कांकेर। /विधानसभा निर्वाचन 2023 के सुचारू संचालन हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के निर्देश एवं अपर कलेक्टर एस. अहिरवार की उपस्थिति में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण से संबद्ध सभी दलों का जिला कार्यालय के सभा कक्ष में प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें एस.एस.टी., एफएस.टी., वी.एस.टी., वीवीटी एवं लेखा टीम के सदस्य शामिल हुए। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर ने निर्वाचन को पारदर्शिता पूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन के लिए चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने नियमों का पालन करते हुए अपने कर्त्तव्यों को निर्वहन करने के लिए कहा गया।

मास्टर ट्रेनर ने सभी दलों के कार्यों को एक-एक करके विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उड़नदस्ता टीम अवैध नकदी की आवाजाही, शराब का वितरण, मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए या रिश्वत देने या उपहार सामग्री बांटे जाने की सूचना मिलने पर जांच कर विधिवत कार्यवाही करेंगे। यह भी बताया कि 10 हजार से अधिक रूपये से अधिक की राशि का उपहार सामग्री बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के एवं 50 हजार रूपये की नकद राशि मिलने पर विधिवत जब्ती की कार्यवाही तथा पूरी गतिविधि का वीडियो एवं फोटोग्राफी भी करेंगे। एस.एस.टी. टीमों का कार्य नकद राशि, शराब, शस्त्र आदि की, वैधानिक परिवहन की चेक पोस्ट लगाकर निगरानी करने एवं विधि सम्मत कार्यवाही की पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके अलावा यह भी बताया गया कि राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारक अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए अधिकतम एक लाख रुपये लेकर चल सकते हैं, उससे अधिक की राशि रखने पर संबंधित राजनीतिक दल के कोषाध्यक्ष का प्रमाण पत्र रखना आवश्यक है।

एफएस.टी एवं एसएसटी टीम द्वारा किये गए कार्यवाही का प्रतिदिन रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में रिटर्निंग ऑफिसर को देंगे, इससे संबंधित विभिन्न प्रपत्रों की जानकारी भी दी गई। इन दलों को सी-विजिल एप के विभिन्न फंक्शनों के बारे में जानकारी दी गई और इस ऐप में आए विभिन्न समस्या के समाधान की विधि भी बताई। 100 मिनट के भीतर समाधान करने के लिए निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान दलों को कोषालय अधिकारी आर.एन. कुंजाम ने भी कार्य की बारीकियों से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपर कलेक्टर श्री अहिरवार द्वारा मताधिकार के लिए शपथ भी दिलाई गई।

कलेक्टर ने दंतेवाड़ा में मतदान दलों के प्रथम चरण प्रशिक्षण का लिया जायजा

निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया को सम्पादित करने के दिए निर्देश

ट्रेनिंग में शत-प्रतिशत एक-एक चीज को अच्छे से सीख लीजिए- नंदनवार

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर) 11 अक्टूबर 2023। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार ने आज जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में विधानसभा निर्वाचन-2023 के निर्वाचन हेतु आयोजित मतदान दलों के प्रथम चरण प्रशिक्षण का जायजा लिया और निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ मतदान तथा मतगणना प्रक्रिया को सम्पादित करने की समझाइश मतदान दलों के अधिकारियों-कर्मचारियों को दी। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नंदनवार ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का अनुपालन करते हुए मतदान तथा मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न करायें। उन्होंने मतदान दलों के अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया के बारे में गहन प्रशिक्षण प्राप्त करने की समझाइश देते हुए कहा कि इस हेतु हरेक पहलुओं की बारीकी से जानकारी प्राप्त करें और ट्रेनिंग में महत्वपूर्ण प्रत्येक बिंदुओं को शत-प्रतिशत बारीकियों के साथ सीखें। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की शंका हो तो मास्टर्स ट्रेनर्स से इस सम्बंध में पूरी जानकारी ली जाये। कलेक्टर नंदनवार ने मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों को मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया हेतु पूरी तरह सजगता बरतने कहा और इस बारे में विस्तृत जानकारी के लिए पीठासीन अधिकारी की मार्गदर्शिका का सूक्ष्मता के साथ अध्ययन करने की समझाइश दी। उन्होंने मतगणना के पश्चात पर्ची बनाकर देने सहित मतपत्रो का लेखा, परनियत एवं अपरिनियत लिफाफे, मतपत्रों के बंडल इत्यादि दस्तावेजों को सुरक्षित तरीके से संधारित किये जाने का निर्देश भी दिया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर संजय कन्नौजे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर सहित अन्य अधिकारी एवं निर्वाचन दायित्व से जुड़े अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय पुलिस स्पोर्टस मीट 2023 में खो-खो में प्रथम आने पर दंतेवाड़ा के 02 आरक्षकों को गोल्ड मेडल तथा तवा फेंक एवं गोला फेंक में तृतीय स्थान प्राप्त महिला आरक्षक को 02 ब्रान्ज मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना, रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस स्पोर्टस मीट-2023 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल, ब्रॉन्ज मेडल सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। राज्य स्तरीय पुलिस स्पोर्टस मीट-2023 में जिला दंतेवाड़ा के आरक्षक क्रमांक 1067 मुकेश मण्डावी को खो-खो में प्रथम आने पर गोल्ड मेडल एवं आरक्षक क्रमांक 411 पिंटू नाग को खो-खो में प्रथम स्थान आने पर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया है तथा महिला आरक्षक क्रमांक 1182 लक्ष्मी को तवा फेंक एवं गोला फेंक में तृतीय-तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 02 ब्रान्ज मेडल प्राप्त हुआ है। आज दिनांक 11.10.2023 को पुलिस अधीक्षक, महोदय दंतेवाड़ा गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा रामकुमार बर्मन, उप पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार चन्द्राकर एवं उप पुलिस अधीक्षक गोविन्द दीवान के द्वारा संबधित आरक्षकों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदाय कर बधाई देते हुए उत्साहवर्धन कर भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गई।

नक्सलियों का नापाक इरादा हुआ नाकाम

गश्त के दौरान आईईडी बरामद

दंतेवाड़ा (, भारत भास्कर) पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी., पुलिस उप महानिरीक्षक दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप एवं पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन) सीआरपीएफ़ दंतेवाड़ा रेंज विकास कठेरिया के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक गौरव राय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा रामकुमार बर्मन के निर्देशानुसार में नक्सल उन्मूलन अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिससे माओवादी पीछे हटने को मजबूर हो रहे हैं।

इसी तारतम्य मे दिनांक 10.10.2023 को डीआरजी, बस्तर फाईटर एवं यंग प्लाटून सीआरपीएफ 111वी वाहिनी का संयुक्त बल नक्सल गश्त सर्चिंग हेतु ग्राम गुमोड़ी एव नहाड़ी के जंगल पहाड़ी की ओर रवाना किया गया था। गश्त सर्चिंग दौरान ग्राम - हिडमा के पास पगडंडी में बिजली का वायर दिखाई दिया, जिसे फोर्स द्वारा सतर्कता पूर्वक ट्रेकिंग कर आईईडी को खोजा गया, जिसे मौके पर ही आवश्यकतापूर्वक सावधानी बरतते हुए खोदकर निकाला गया।आईईडी लगाये गये स्थान के आसपास सघनता से सर्चिंग करने पर कुछ दूरी पर एक झोला पेड़ में छिपाया हुआ हालात में मिला, जिसमे 10 नग नक्सली कैप, नक्सली साहित्य, जीवनोपयोगी दवाईया व अन्य दैनिक उपयोगी सामाग्री था, जिसे बरामद किया गया। फोर्स की सजगता व कुशल आपरेशन संचालन की वजह से पुलिस के यह सफलता हासिल हो सका और बडी अनहोनी घटना को कारित होने से टाला जा सका।

आगामी विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण सफल कराने हेतु दंतेवाडा पुलिस सतर्कतापूर्वक लगातार नक्सल ऑपरेशन कर रही है, जिससे माओवादी की पैठ अंदरूनी क्षेत्रों में कमजोर रही है, पुलिस व जनता में आपसी संबंध मजबूत हुआ है व जनता का लोकतंत्र पर विश्वास प्रबल हो रहा है

वाटर एड इंडिया द्वारा जल बहिनी दिदीयो का पेयजल गुणवत्ता परीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम

अशोक जैन

कांकेर। वाटर एड इंडिया ग्राम पंचायत साइमुंडा में विकस खंड स्तरीय पेयजल गुणवत्ता परीक्षण प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन 03/10/2023 सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपसरंपच ग्राम पंचायत साइमुंडा प्यारी लाल मरकाम जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मरकाम जी द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जलबहिनयों को अपने गांव के पेयजल स्रोतों के गुणवत्ता का जांच और लोगों को शुद्ध पेयजल के लिए जागरूक करना और अपने कार्य के दायित्व को पूर्ण रूप से करने के लिए प्रेरित किया गया।

उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए, कार्यक्रम के उद्देश्य व वॉटर एड के बारे में संक्षिप्त जानकारी के साथ वॉटर एड द्वारा किए जा रहे प्रयासों को साझा किया गया, साथ ही उपस्थित जल बहिनीयों के द्वारा कार्यक्रम के शुरुआत में उनकी आशा/आकांक्षाओं के बारे में जाना एवं गांव में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयास को जाना। गांव में जल गुणवत्ता परीक्षण के दौरान आने वाली समस्याओं एवं चुनौतियां के बारे में जानकारी ली गई। उसके पश्चात् एफटी.के.(फील्ड टेस्ट कीट) और बैक्ट्रिया(जीवाणु) के बारे में सामान्य जानकारी साझा कर, एफटी.के. का उपयोग सावधानियां,जल नमुना लेने का सावधानी, परीक्षण के तीन प्रकार जैसे भौतिक , रासायनिक के 8 मानक,और जीवाणु जांच को एक एक कर के बताया गया।साथ ही अशुद्ध जल के सेवन से कौन से बीमारी से प्रभावित हो सकते हैं। अशुद्ध जल का घरेलू उपचार कर शुद्ध करने के प्रकृति तरीका के बारे में जानकारी दिया गया।

साथ ही उपस्थित जल बहिनियों को एक-एक करके उनके द्वारा लाए गए जल नमूनों का परीक्षण करने हेतु प्रेरित कर, उन्हें उनके परिणामों को रजिस्टर में दर्ज करने की प्रक्रिया और प्राप्त परिणामों को पंचायत व समुदाय में साझा करने के लिए प्रेरित किया गया। स्रोत के चिन्हांकन/नामकरण, साफ-सफाई व सुरक्षित - असुरक्षित होने के संकेतों को भी बताया गया। साथ ही पंजी संधारण करने पर भी जोर दिया गया। वाटर एड इंडिया जिला समन्वय अजहर कुरैशी जी के माध्यम से फ्लोराईड के प्रति जागरूक होने व अपने-अपने ग्राम के लोगों को जागरूक करने हेतु प्रेरित करते हुए, उनके निदान के लिए हर संभव प्रयास करने में सहयोग की बात कही गई। कार्यक्रम में वाटर एड इंडिया टीम से अरुण कुमार जैन, तिलक जैन, नरेंद्र सहारे, रोशन राम साहू सम्मिलित हुए।

संक्षिप्त समाचार

13 जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जुआ खेलते 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 37285 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार कबीरनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हाउसिंग बोर्ड ऑफिस के पीछे कबीरनगर में दबिश देकर आरोपी श्रीकांत देवांगन 35 वर्ष सहित अन्य 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 34300 रुपए जब्त किया है। वहीं खरोरा पुलिस ने कुबरा तालाब के पास जुआ खेलते आरोपी अयोध्या साहू 45 वर्ष, ललित सेन 52 वर्ष सहित अन्य 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 2985 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सरेआम शराब पीते दर्जन भर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने कचना रोड में सरेआम शराब पीते आरोपी किरण भीमडे 30 वर्ष व जीतेंद्र पोपटानी 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गोलबाजार पुलिस ने आरोपी राजा दोलोई 22 वर्ष, तरूण दोलोई 26 वर्ष, प्रसन्न खण्डा 30 वर्ष व चंद्रकांत माईटी 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह आमानाका पुलिस ने आरोपी पवन साहनी 34 वर्ष व सुभाष पाण्डे 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं मोवा पुलिस ने आरोपी दीपक साहू 25 वर्ष एवं धरसींवा पुलिस ने आरोपी प्रहलाद गंगवानी 34 वर्ष व लोचन प्रसाद यादव 38 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह माना पुलिस ने आरोपी प्रकाश गिलहरे 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

63 पाव शराब के साथ तीन गिरफ्तार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीम ने अवैध शराब बेचते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 63 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार नेवरा पुलिस ने दलाल तालाब के पास आरोपी राजपाल देवार 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं आरंग पुलिस ने आरोपी उदयदास डहरिया 57 वर्ष के पास से 23 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह माना पुलिस ने आरोपी ईश्वर चतुर्वेदी 24 वर्ष के पास से 22 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाकू लहराते दो गिरफ्तार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाकू लेकर आतंक फैलाते पुलिस के टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार उरला पुलिस ने बाजार चौक अछोली के पास चाकू लेकर आतंक फैलाते आारोपी ओंकार जांगड़े 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह टिकरापारा पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अतहर असरफी 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

हत्या के आरोपी ने पांच साल बाद किया सरेंडर

रायपुर। राजधानी रायपुर में पांच साल पहले हुई कंस्ट्रक्शन कंपनी के सुपरवाइजर की हत्या के मामले में फरार आरोपी वरुण कौशल ने सरेंडर किया है। आरोपी आईएएस का भाई है। आरोपी हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद 5 साल से फरार चल रहा था। बता दें कि मामला 10 मार्च 2018 का है। मंदिर हसौद थानाक्षेत्र स्थित एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर तुहीन मलिक को आरोपी वरूण कौशल ने विवाद होने के बाद चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। मामले में मंदिर हसौद थाना पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। इधर पांच साल बाद अचानक आरोपी ने मंदिर हसौद थाने पहुंचकर कर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी वरुण कौशल महिला आईएएस किरण कौशल का भाई है।

कोर्ट परिसर से लिपिक का स्कूटर चोरी करने वाला चोर पकड़ाया

रायपुर। रायपुर के कोर्ट परिसरे से कोर्ट कर्मचारी की दोपहिया वाहन चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके पास से एक्टिवा वाहन जब्त किया है। मिली जानकारी के अुनसाररायपुर न्यायालय में निष्पादन लिपिक सहायक ग्रेड 02 के पद पर पदस्थ रेशमी ठाकुर रोज की तरह दिनांक 04.10.2023 को अपनी एक्टीवा वाहन क्रमांक सी जी/04/डी एस/2672 को जिला न्यायालय परिसर पार्किंग में लॉक कर खड़ी कर अंदर न्यायालय चली गई थी,और जब शाम को घर वापस जाने के लिये पार्किंग स्थल पर पहुंची तो देखा कि वाहन खड़े किये स्थान पर नहीं था।

प्रदेशवासी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर मतदान अवश्य करें

छत्तीसगढ़ में परिवर्तन होने जा रहा है-पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन

■ महिला आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से महिलाएं बहुत खुश है जबकि प्रदेश में शराबबंदी समेत सभी वादा खिलाफी से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ आक्रोशित भी हैं जिसका इस परिर्वतन में महत्वपूर्ण योगदान होगा

रायपुर/ संवाददाता

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पाँच राज्यों में चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रेसवार्ता कर सभी से मतदान करने की अपील की और परिवर्तन का भरोसा जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में यह चुनाव दो चरणों में सम्पन्न होगा जिसमें पहले चरण का मतदान 7 नवंबर 2023 तथा द्वितीय चरण का मतदान 17 नवंबर को सम्पन्न होगा। जिसके बाद मतगणना 3 दिसम्बर को संपन्न होगी जिसमें सभी प्रदेशवासी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर मतदान अवश्य करें। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में छत्तीसगढ़ के 2 करोड़ 3 लाख मतदाता सम्मिलित होंगे जिसमें 18 लाख मतदाता पहली बार मतदान करेंगे साथ ही प्रदेश में महिला मतदाताओं की संख्या 1 करोड़ 2 लाख 39 हजार है जो पुरूष मतदाताओं से अधिक हैं इसलिए छत्तीसगढ़ का आगामी विधानसभा चुनाव महिलाओं के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण है और महिलाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। महिला आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से महिलाएं बहुत खुश हैं जबकि प्रदेश में शराबबंदी समेत सभी वादाखिलाफी से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ आक्रोशित भी हैं। जिसका इस परिर्वतन में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसके अलावा

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश के मतदाताओं से आव्हान किया कि अपने अधिकारों का प्रयोग कर भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को सत्ता से बेदखल कर विकास के लिए भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश से भरोसा समाप्त हो चुका है। अब तो कांग्रेस ने भी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा की है, भूपेश है तो भरोसा है का नारा बदलकर भरोसे की सरकार कर दिया गया है। पिछले 5 साल में कांग्रेस की इस सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा दिया है। आदिवासी विकास के लिए भी कोई कार्य नहीं किए हैं इन सभी कुनीतियों से प्रदेश की जनता बहुत आक्रोशित है और चुनाव के इंतजार में, अब बहुत जल्द ही छत्तीसगढ़ की जनता प्रदेश में परिवर्तन कर पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनायेगी। महिला आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से महिलाएं बहुत खुश है जबकि प्रदेश में शराबबंदी समेत सभी वादा खिलाफी से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ आक्रोशित भी हैं जिसका इस परिर्वतन में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसके अलावा वर्तमान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश के मतदाताओं से आव्हान किया कि अपने अधिकारों का प्रयोग कर भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को सत्ता से बेदखल कर विकास के लिए भाजपा की सरकार बनाएं। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश से भरोसा समाप्त हो चुका है अब तो कांग्रेस ने भी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा की है, भूपेश है तो भरोसा है का नारा बदलकर भरोसे की सरकार कर दिया गया है। पिछले 5 साल में कांग्रेस की इस सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा दिया है, आदिवासी विकास के लिए भी कोई कार्य नहीं किए हैं इन सभी कुनितियों से प्रदेश की जनता बहुत आक्रोशित है और चुनाव के इंतजार में, अब बहुत जल्द ही छत्तीसगढ़ की जनता प्रदेश में परिवर्तन कर पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनायेगी।

भाजपा में सूत न कपास जुलाहों में लठ्म लठ्ठा वाले हालात हुई...

■ सूची लीक होने के बाद भाजपाई एक दूसरे के कपड़े फाड़ रहे- कांग्रेस

रायपुर। संवाददाता

प्रत्याशी की सूची लीक होने के बाद भाजपा में मचे अंर्तकलह और बवाल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सूत न कपास जुलाहों में लठ्म लठ्ठा की स्थिति भाजपा में देखने मिल रही है। भाजपा की पहली अधिकृत सूची जारी होने के बाद सभी 21 स्थानों पर घोषित प्रत्याशियों के खिलाफ बगावती तेवर भाजपा के कार्यकताओं ने दिखाया, घोषित प्रत्याशियों के विरोध में धरना आंदोलन प्रदर्शन तक हुआ। अब भाजपा की दूसरी सूची जारी हुई है जिसका कि अभी तक भाजपा की तरफ से अधिकृत खंडन नही आया है। इस सूची के बाद तो भाजपा के सारे अनुशासन के दावे खोखले साबित हो गये वरिष्ठ नेताओं के कपड़े फाड़ने तथा प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय नेताओं के पोस्टरों में कालिख तक पोती गयी है। भाजपा के चुनाव प्रभारी में मनसुख मंडाविया तक से अभद्रता की गयी नारे बाजी की गयी। कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा मे लोकतंत्र समाप्त हो गया, प्रत्याशी चयन के लिये कार्यकताओं से रायशुमारी नही की गयी, क्षेत्र में बाहरी प्रत्याशियों को थोपा गया है। भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी स्थानीय नेतृत्व के साथ सामंती व्यवहार कर रहा है। जिसके कारण वरिष्ठ नेता भी खुद का उपेक्षित महसूस कर रहे है। दिल्ली के नेता, छत्तीसगढ़ के बड़े नेताओं और कार्यकताओं को अपमानित कर रहे है जिसके कारण प्रत्याशी घोषित होने के बाद भाजपा में बगावत देखने को मिल रही है। कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सिर फुटौव्वल की अभी शुरूआत हुई है जैसे ही पूरे 90 प्रत्याशी घोषित हो जायेंगे ।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची कभी भी हो सकती है जारी....

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट तैयार हो चुकी है। कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद संभवत: प्रत्याशियों की सूची कभी भी जारी हो सकती है। रा'य के 90 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों को लेकर गहन मंथन किया गया। अब दिल्ली में सीइसी की बैठक के बाद टिकट पर अंतिम मुहर लगेगी। इसके बाद कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी जाएगी। दिल्ली में आयोजित कांग्रेस वर्किग कमेटी की बैठक में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले सीएम भूपेश ने रायपुर में कहा कि चुनाव समिति की बैठक में ब्लॉक, जिलों से आए सभी आवेदनों और नामों पर चर्चा हुई है। वहीं नेताओं के अनुशंसा और सर्वे आदि पर भी विचार विमर्श किया गया है।

धान खरीदी के साथ ही पीडीएस चावल का पैसा भी देती है केंद्र सरकार

भूपेश सरकार अंतिम सांसें गिन रही, अब तो सच स्वीकार करें....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर धान खरीदी में लगातार झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहते हुए वे सिर्फ और सिर्फ झूठ बोल रहे हैं। उनकी सरकार अंतिम सांसें गिन रही है तो सत्य बोलने में झिझक क्यों रहे हैं। छत्तीसगढ़ के किसानों को खुलकर बता दें कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 5 साल में प्रति वर्ष केंद्र सरकार ने कितनी राशि दी है और राज्य सरकार ने कितनी राशि दी है? भूपेश बघेल जो झूठी बयानबाजी कर रहे हैं, वे श्वेत पत्र जारी कर शासन स्तर पर कोई तथ्य क्यों नहीं रखते। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न सिर्फ राज्य के कृषकों से धान के समर्थन मूल्य पर उपार्जन की राशि प्रदान करती है। बल्कि धान को चावल में परिवर्तित करने के लिए परिवहन, कस्टम मिलिंग, भंडारण, मंडी शुल्क और उचित मूल्य की दुकानों तक पहुंचाने के लिए परिवहन और दुकान संचालकों के लिए मार्जिन मनी भी प्रदान करती है। केंद्र सरकार ब्याज की राशि भी आर्थिक लागत में जोड़कर राज्य को प्रदान करती है। यह राशि प्राविधिक सब्सिडी और एडवांस्ड सब्सिडी के रूप में सीधे भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के द्वारा राज्य सरकार को दी जाती है। इसके अलावा सरप्लस चावल के प्रदाय के लिए राज्य सरकार को सीधे भारतीय खाद्य निगम के द्वारा राशि दी जाती है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि यही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रोजगार के मुद्दे पर गलतबयानी करके युवाओं को धोखा देते रहे हैं। होर्डिंग में 5 लाख रोजगार का दावा करते थे और विधानसभा में सही।

पीएससी घोटाला युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है-रूप कुंमारी....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार और घोटालों का बोलबाला है। भविष्य में छत्तीसगढ़ के बच्चे घोटालों के प्रकार के बारे में जब पढ़ेंगे तब कांग्रेस सरकार और भूपेश बघेल के राज में हुए भ्रष्टाचार और घटालों की कहानी जरूर पढ़ेंगे। यह तंज कसते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती रूपकुंमारी चौधरी ने कहा कि युवाओं को नौकरी देने का वादा कर सत्ता में आई कांग्रेस की सरकार ने नौकरी देने के बजाए बेरोजगारी भत्ता देने का राग अलाप लिया। इतना ही नहीं राज्य प्रशासनिक सेवा में जा कर राज्य की सेवा करने का सपना देखने वाले युवाओं के साथ छलावा किया। रूपकुंमारी चौधरी ने कहा कि प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के आला अधिकारियों के करतूतों से मुख्यमंत्री भूपेश को अवगत कराया था। उन्होंने उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय ऐसे अफसरों को संरक्षण देने का काम किया। इसी का नतीजा है कि आज राज्य सरकार घोटालों में घिरी हुई है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पीएससी घोटाले को लेकर बिलासपुर और जगदलपुर के सभा में कह चुके हैं कि पीएससी घोटाला युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा है। कांग्रेस की कुनीति को छत्तीसगढ़ के लोग भुगत रहे हैं। भाजपा की सरकार बनते ही पीएससी में हुए घोटाले के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रूपकुंमारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने भी पीएससी घोटाले में जांच करवाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि हाईकोर्ट ने 18 अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर रोक लगाने को कहा है, जिसमें से 5 की नियुक्ति हो गई है, जबकि 13 की नियुक्ति नहीं हुई है। पत्र में परीक्षा के मूल्यांकन और इंटरव्यू में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। यही नहीं मुख्यमंत्री के उन बयानों का भी पत्र में जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अभी तक किसी ने शिकायत ही नहीं की है, जबकि छात्रों ने शिकायत भी की थी और प्रदर्शन भी किया था। एबीवीपी के प्रदर्शन से घबराकर कांग्रेस सरकार और इनके लोग झूठ पर आधारित बयानबाजी कर रहे हैं।

जड़ीबूटी की खोज में जंगल गए ग्रामीण पर हाथी ने किया हमला

रायपुर। अर्जुनी वनपरिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महकोनी बीट में झुंड से बिछड़े एक दंतैल ने एक ग्रामीण को कुचल-कुचलकर मार डाला। हाथी के हमले में ग्रामीण का शव बुरी तरह से क्षत-विक्षस हो गया तथा उसका एक पैर शरीर से कटकर अलग हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के पश्चात परिजनों को सौंप दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बिलाईगढ़ क्षेत्र के सिंधीटार का रहने वाला था। मृतक का नाम गरीबा बंजारे 50 वर्ष पिता बाबूलाल है। मृतक अपने बहनोई अकलतरा जिला जांजगीर निवासी राजेंद्र आजाद व एक अन्य साथी के साथ भेलवा, वन परिक्षेत्र अर्जुनी के ग्राम पंचायत दलदली महकोनी बीट में जड़ी बूटी की तलाश में गए थे। तीनों ने रात को गिधौरी पठार के कक्ष क्रमांक 369 के पास भोजन बनाया और खाना खाकर सो गए थे। रात करीब 1.30 बजे झुंड से बिछड़ा एक दंतैल हाथी वहां पहुंचा और गहरी नींद में सो रहे तीनों ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस हमले में राजेंद्र व एक अन्य ग्रामीण किसी तरह से बच गए, लेकिन गरीबा बंजारे हाथी से बच नहीं सका। हाथी ने उसे बुरी तरह से कुचल दिया, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हाथी के हमले में उसका एक पैर कटकर शरीर से अलग हो गया था। जंगल से जान बचाकर भागे दोनों ने गांव आकर घटना की जानकारी दी। इसके बाद सुबह पुलिस, वन विभाग की टीम और परिजन मौके पर पहुंचे ।

भाजपा प्रवेश के बाद प्रथम बेमेतरा आगमन पर योगेश तिवारी का समर्थकों ने गर्म जोशी से किया स्वागत....

■ भाजपा नेता योगेश तिवारी ने राम मंदिर प्रांगण पहुंचकर पार्षद नीतू कोठारी के अनशन को दिया समर्थन

रायपुर/ संवाददाता

किसान नेता योगेश तिवारी के भाजपा प्रवेश के बाद प्रथम बेमेतरा आगमन पर समर्थकों ने शहर के सिग्नल चौक व कोबिया वार्ड में आतिशबाजी कर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा प्रवेश पर शहरवासियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके बाद राम मंदिर प्रांगण पहुंचकर आमरण अनशन पर बैठी पार्षद नीतू कोठारी को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की जमीन वापस होने तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। वहीं पार्षद नीतू को हमारा पूरा समर्थन है। इस दौरान गिरीश गबेल, प्रवीण नीलू राजपूत, गोलू कोशले, रानू वर्मा, अजय शुक्ला, टिकेश्वर, दिलीप पटेल, कौशल साहू, भानु साहू, संजय निषाद, यादवराम साहू, रमेश साहू, कमलेश वर्मा , दिनेश वर्मा, युवराज वर्मा, संतोष वर्मा, नंदू राठी, नंदू गुप्ता, राजा शर्मा, बबलू शर्मा, तुषार साहू, राजेश दीवान, देवाराम साहू, रामविशाल मिश्रा, रामप्रसाद निषाद, रूपेंद्र तिवारी, केशलाल साहू, मनोज दुबे, किशन पटेल, अजय मिश्रा, धनेश वर्मा, देव्यांश शर्मा, राजू साहू, मृत्युजय दुबे, मनोज सिन्हा, यशवंत टंडन , बलराम राय, नरेश राय, विक्की चौबे, तीरथ वर्मा, मयंक तिवारी, भानु साहू, ईश्वर पाठक, ईश्वर साहू, पारस जायसवाल, संतोष चौहान, शिवम तिवारी, तुषार राजपूत, नागेश्वर निषाद, सत्यम शर्मा, मोहेंद्र साहू, वैभव यादव, गौरव यदू,आर्यन साहू, रामचरण सिन्हा, शेष नारायण साहू, बिहारी साहू, उत्तम पाटकर, हर्षवर्धन वर्मा आदि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार की योजनाओं से लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ

इस अवसर पर किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा में शामिल होकर लोगों की सेवा का सौभाग्य मिला है। बीते 8 वर्षों से बेमेतरा विधानसभा में किसान नेता के रूप में आम जनों की सेवा में लग रहा।अब भाजपा में शामिल होने से दोगुनी ताकत से लोगों की सेवा करना जारी रहेगा। मोदी सरकार की योजनाओं का परिणाम है कि आज गरीब के सिर में छत, महिलाओं की रसोई में गैस कनेक्शन, गरीब परिवार को 5 लाख तक मुफ्त इलाज, हर घर में नल कनेक्शन से जल पहुचाने समेत अन्य योजनाओं से लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

लालगंगा पटवा भवन में श्रीपाल-मैनासुन्दरी कथा प्रारंभ

जो शिष्टाचार का पालन करता है वो सभी दुखों से मुक्त होता है : उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि...

रायपुर/ संवाददाता

उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने कहा कि नौपद की आराधना की एक प्रसिद्ध कथा है जो हर व्यक्ति के मन में नमस्कार महामंत्र के प्रति आस्था, साधना और व्यवस्था का सूत्र जागृत करती है। कथा जो चमत्कारी लगती है, लेकिन ये साधना की कथा है, एक विज्ञान है। और उस विज्ञान को खोलने के लिए श्रीपाल-मैनासुन्दरी की कथा है। इस कथा का विज्ञान आप समझ लोगे तो इस कथा को आप अपने जीवन में साकार कर लोगे। कथा सुनने में आनंद आता है, लेकिन कथा को जीवंत करने का अलग सुख है। आप कथा सुनें और इसे अपने जीवन में साकार करने का प्रयास करें सोमवार से लालगंगा पटवा भवन में श्रीपाल-

मैनासुन्दरी का प्रसंग शुरू हुआ। उपाध्याय प्रवर ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिनशासन में साधना और शिष्टाचार (श्चह्मश्चह्लश्चष्ह्यद्य) का विधान है। शिष्टाचार का जो पालन करता है वो सभी दुखों से मुक्त होता है। साधना से कर्मों का नाश होता है, लेकिन शिष्टाचार का उल्लंघन हुआ तो साधना करते हुए भी दु:ख का जन्म होता है। शिष्टाचार (समचारी) का पालन नहीं होता है तो जीवन में क्या दु:ख आते हैं, उसका उदाहरण है श्रीपाल का जीवन। कथा शुरू करते हुए उपाध्याय प्रवर ने कहा कि सिंहरक राजा की उम्र हो गई थी, लेकिन कोई संतान नहीं थी। उनके छोटे भाई का नाम था अरिगमन। राजा सिंहरक पीड़ा में जी रहा था, लेकिन पुण्ययोग से एक पुत्र का जन्म हुआ जिसका नाम रखा गया श्रीपाल। एक दिन अचानक राजा की मृत्यु हो गई। परिवार का एक शिष्टाचार होता है, कि कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले परिवार की सलाह लेनी चाहिए। रानी कमलप्रभा ने शिष्टाचार का उल्लंघन करते हुए मंत्री से सलाह ली। राजा के छोटे भाई अरिगमन को छोड़ मंत्री से सलाह ली। मंत्री से कहा कि आप श्रीपाल का राज्याभिषेक करें और इसके अभिभावक बनें। 5 साल के श्रीपाल का राज्याभिषेक कर मंत्री उसका अभिभावक बन गया। पूरा मंत्रिमंडल, सेना और प्रजा इस फैसले से दुखी थे। सबसे ज्यादा दुखी तो अरिगमन था, जिससे पूछे बिना उसकी भाभी ने इतना बड़ा फैसला ले लिया था। मंत्रिमंडल अरिगमन से कहता है कि ये अन्याय है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com